वर्ष-12, अंक-5
इन्दौर, सोमवार
6 जनवरी से
12 जनवरी 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

साप्ताहिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761
DAVP 133088/20/02/2020

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदावार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

सीएम ने तीन गांवों नाम बदलने का ऐलान किया

सीएम बोले-मौलाना नाम खटकता है, लिखो तो पेन अटकता है-बड़नगर में कहा-इस गांव का नाम विक्रम नगर होगा

उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन जिले के 3 पंचायतों के नाम बदलने की घोषणा की है। वे रविवार को बड़नगर में सीएम राइस स्कूल का लोकार्पण करने पहुंचे थे।

अब से गजनी खेड़ी पंचायत का नाम चामुंडा माता नगरी, मौलाना गांव का नाम विक्रम नगर और जहांगीरपुर का नाम जगदीशपुर कर दिया गया हैं। इसके लिए उन्होंने तत्काल कलेक्टर को आदेश भी जारी कर दिए।

सीएम बोले- एक गांव का नाम खटकता है

इस मौके पर सीएम ने कहा कि एक गांव का नाम खटकता है। वो नाम है मौलाना। हमको तो समझ नहीं आया कि गांव का इस नाम से क्या संबंध है। नाम लिखो तो पेन अटकता है। आज से मौलाना का नाम विक्रम नगर होगा। गजनी खेड़ी का नाम चामुंडा माता नगरी और जहांगीर पुर का नाम बदलकर जगदीश पुर किए जाएंगे। नाम बदलने की राजनीति पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, जब मुंबई और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के नाम बदले जा सकते हैं, तो फिर हम अपनी पंचायतों के नाम क्यों नहीं बदल सकते? उन्होंने गजनी खेड़ी पंचायत को चामुंडा माता नगरी के नाम से पुकारे जाने की घोषणा करते हुए वहां विकास कार्यों के आदेश भी दिए।

गजनीखेड़ी गांव में चामुंडा धाम मंदिर में किया पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन की बडनगर तहसील के गांव गजनीखेड़ी में चामुण्डा धाम मन्दिर में पूजा अर्चना की। सीएम के साथ ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, सांसद अनिल फिरोजिया भी मौजूद थे। चामुंडा माता मंदिर के पुजारी ईश्वरगिरी गोस्वामी ने बताया कि गजनीखेड़ी में मां चामुंडा का यह ऐतिहासिक भव्य मंदिर वर्तमान में पुरातत्व विभाग के अधीन है। यह स्थान निमाड़ सहित इंदौर क्षेत्र के अरझरे व लाड़ परिवार के सैकड़ों परिवार की विशेष आस्था का केंद्र है। पुरातत्वविद वीएस वाकणकर के अनुसार इस मंदिर में विश्व की अत्यंत दुर्लभ मूर्ति है। इस प्रकार की एक मूर्ति काठमांडू (नेपाल) में है। मंडप के दाहिनी ओर बाह्य भित्ति पर 11वीं सदी का पांच पंक्ति का नागरीय लिपि में एक लेख उत्कीर्ण है। मंदिर के आंगन में दो छतरियां और एक कुंड स्थित है।

यूपी-बिहार में ठंड से 10 लोगों की मौत

दिल्ली में 160 फ्लाइट और 60 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर तेज हो रहा है। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में ठंड से 8 लोग और बिहार में 2 लोगों ने जान गंवाई। देश के 14 राज्यों में लगातार दूसरे दिन घना कोहरा देखने को मिल रहा है। विजिबिलिटी घटने के कारण दिल्ली में रविवार को 160 फ्लाइट लेट हुईं। 7 कैंसिल भी हुईं। वहीं, 60 से ज्यादा ट्रेनें भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंचीं। दिल्ली में 3 दिनों में कुल 900 से ज्यादा फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। राजस्थान और मध्य प्रदेश में ठंड से फिलहाल राहत है। राजस्थान के कुछ जिलों में रविवार को बारिश की संभावना है। वहीं, स्क्क में 2 दिन बाद सर्दी बढ़ने की संभावना है। कई जिलों में तापमान 2 से 3 डिग्री गिर सकता है। मौसम विभाग ने कश्मीर और चिनाब घाटी में भारी बर्फबारी का अनुमान जताया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के भी 7 जिलों में भारी बर्फबारी के आसार हैं।

पोरबंदर कोस्टगार्ड एयरपोर्ट पर हादसा

तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश, 3 की मौत

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है. यहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ है. इस हादसे में 3 लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की खबर है. घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है. गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है. यहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ है. इस हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है. घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है. इसके दो महीने पहले तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. हादसे के बाद तुरंत राहत बचाव कार्य शुरू किया गया. इस हादसे में 3 लोगों की मौत भी हो गई है. शुरुआती जानकारी में पता चला है कि उड़ान भरने के दौरान हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी हुई, जिसके बाद वो क्रैश हो गया. उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में दो पायलट के साथ तीन न्य लोग सवार थे. इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई है. फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है.

जम्मू-कश्मीर में वाहन के खाई में गिरने से चार लोगों की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई और दो लापता हो गए। पुलिस ने यहां बताया कि पद्दार से मासु गांव की ओर जा रहा एक वाहन खाई में गिर गया। उन्होंने कहा दुर्घटना में चार यात्रियों की मौत हो गई है और दो लापता हैं। उन्होंने बताया कि लापता लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है। मृतकों की पहचान गढ़, पद्दार, किश्तवाड़ के रहने वाले राज कुमार, मुकेश कुमार, हक्कीकत सिंह और सतीश कुमार के रूप में हुई है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया।

रमेश बिधूड़ी का विवादित बयान

कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गाल जैसा बना देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है, बीजेपी नेता और कालकाजी विधानसभा सीट से उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी का विवादास्पद बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे. बता दें कि रमेश विधूड़ी अपने बयानों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. बताया जा रहा है कि उन्होंने ये बयान कालकाजी इलाके में बीजेपी के एक कार्यक्रम में दिया. इस पर रमेश विधूड़ी ने कहा कि लालू यादव जी ने हेमा मालिनी के गाल की तरह बिहार की सड़कें बनाने को लेकर बयान दिया था, अगर इनको (कांग्रेस) आज इस बयान से दर्द हुआ है तो हेमा जी प्रतिष्ठित हीरोइन रही हैं और फिल्मों के माध्यम से भारत का नाम रोशन किया है, जो समाज का दर्पण होता है. लेकिन लालू जी आज कांग्रेस के साथ गलबहियां कर रहे हैं, अगर वो बयान गलत थे को कांग्रेस उस पर भी बोले. रमेश बिधूड़ी ने कहा कि कांग्रेस के रफ़ूगर पवन खेड़ा एंड कंपनी तलवे चाट कर राजनीति में यहां तक पहुंचे हैं, लोगों की सेवा करके नहीं पहुंचे हैं. दलालियां करके यहां तक पहुंचे हैं, तो पहले वो बोलें कि लालू यादव का बयान गलत है

बीजेपी नेता ने की खुदखुशी, लायसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली

भोपाल। मध्यप्रदेश क दतिया से हैरान करने वाला मामला समाने आया है। यहां भाजपा नगर मंत्री जीतेन्द्र मेवाफरोश(42) ने खुद को गोली मारकर खुदखुशी कर ली है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सुचना मिलते ही टीआई धीरेंद्र मिश्रा अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मामले की जाँच करने पहुंचे। अभी तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। बता दें कि ये पूरा मामला दतिया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के दातेर स्थित नरिया का बताया जा रहा है। रविवार सुबह करीब 11 बजे मंत्री नहाने के बाद घर के बाहर पूजा करने के लिए निकले थे। इसी दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी।बड़ी बेटी सोनम ने जब बाहर जाकर देखा तो उनके सिर में गोली लगी थी। बीजेपी नगर मंत्री जीतेन्द्र मेवाफरोश ने अपने लायसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

बस्तर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए, जबकि एक जवान शहीद हो गया। यह मुठभेड़ शनिवार शाम को नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के घने जंगलों में हुई।

जानकारी अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बस्तर जिलों से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम को ऑपरेशन पर भेजा गया। जवानों ने नदी-नालों को पार कर और पैदल कई किमी अंदर जंगल में प्रवेश किया। नक्सलियों ने जवानों को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। मुठभेड़ के दौरान डीआरजी के हेड कांस्टेबल सन्नू करम शहीद हो गए।

हथियार बरामद

घटना स्थल से सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों के शव के साथ ही एके-47, सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर) और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ की जानकारी देते हुए नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि मुठभेड़ कई घंटों तक रुक-रुक कर जारी रही। अब भी इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का यह अभियान नक्सलियों के खिलाफ जारी रहेगा। यह मुठभेड़ सुरक्षाबलों के साहस और बलिदान का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में देश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

पूर्व MLA हरवंश सिंह राठौर के आवास पर IT रेड, दर्जनों गाड़ियों से पहुंची इनकम टैक्स की टीम

भोपाल। मध्यप्रदेश के सागर जिले के बंडा से विधायक रह चुके हरवंश सिंह राठौर के आवास पर इनकम टैक्स का छापा पड़ा है. इनकम टैक्स की टीम रविवार सुबह ही छापेमारी के लिए पहुंची है. मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा से पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के मकान पर रविवार सुबह इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की. छापेमारी के लिए दर्जन भर गाड़ियों से इनकम टैक्स अधिकारी-कर्मचारी पूर्व विधायक के आवास पर पहुंचे हैं. जानकारी के मुताबिक राठौर परिवार सागर के मशहूर बीड़ी उद्योग से जुड़ा हुआ है. इनकम टैक्स यह छापेमारी वित्तीय लेन देन से जुड़े गड़बड़ियों को लेकर कर रही है. फिलहाल अभी छापेमारी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है.

इस्राइल ने गाजा पर फिर बरसाए बम

हवाई हमले में 21 लोगों की मौत

गाजा (एजेंसी)। इस्राइल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। उसे जहां भी हमास से जुड़ी जानकारी मिलती है वो हमले में देरी नहीं करता है। बीती रात भी गाजा पर हवाई हमले किए गए हैं। जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। इस हवाई हमले में मरने वालों में कम से कम दो बच्चे भी शामिल हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमास की ओर से कुछ बंधकों का एक वीडियो जारी किया था। जिसके बाद इस्राइल में बड़ी संख्या में लोगों ने

रैली निकाली थी। जिसके बाद इस्राइल की ओर से ये हवाई हमला किया गया है। इस हमले को वीडियो की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है। हमास से संबद्ध सिविल डिफेंस की ओर से जारी बयान में कह गया कि हवाई हमले में गाजा शहर में सराया परिसर के पीछे का आवासीय क्षेत्र नष्ट हो गया, जिसमें कम से कम पांच लोग मारे गए हैं।

पीएम की आलोचना कर पूर्व जज ने गडकरी से कहा-

आप प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन जाते?

पुणे (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के काम की शैली से पूरा देश प्रभावित है। एक पूर्व जज ने तो यहां तक कह दिया कि गडकरी साहब आप प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनते। दरअसल,मराठा सेवा संघ के कार्यक्रम में हाईकोर्ट के रिटायर जज बीजी कोलसे पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्हें झूठा पीएम कहा। इसके अलावा उन्होंने नितिन गडकरी से प्रधानमंत्री का पद संभालने की भी अपील की है। बता दें कि हाईकोर्ट के पूर्व जज जब अपनी बात रख रहे थे तब नितिन गडकरी भी मंच पर मौजूद थे। हालांकि उन्होंने पाटिल के बयान को नजरअंदाज कर दिया। पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए कहा, हमें झूठे प्रधानमंत्री को क्यों स्वीकार करना पड़ता है।

समर्थन वापस लेने को कहें महाराष्ट्र के 48 सांसद

मराठा आरक्षण पर बात करते हुए कोलसे-पाटिल ने कहा, अगर मराठों को आरक्षण चाहिए, तो यह केंद्र सरकार से मिलना चाहिए। महाराष्ट्र के 48 सांसदों को चाहिए कि वे प्रधानमंत्री मोदी को यह संदेश दें कि अगर मराठों को आरक्षण नही दिया गया, तो हम आपका समर्थन वापस ले लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सभी सांसद एकजुट होकर दबाव डालें, तो केंद्र सरकार एक मिनट में आरक्षण देने के लिए तैयार हो जाएगी।

सुविचार

जब भी आप से कोई सवाल करे तो उत्तर देने में कभी जल्दीबाजी न करें। कोशिश करें कि आप जो उत्तर देने जा रहे हैं, उसकी वजह से आपको बाद में कोई परेशानी न हो या आप अकारण किसी झमेले में न फंसें।

- सुभाष चंद्र लखेड़ा, 7 जैफ़रसन, एवेन्यू, शॉर्ट हिल्स, न्यू जर्सी

बुढ़ऊ

कहानी

बुढ़ऊः देख रही हो कमला! कभी इसी दशाश्वमेध पर हम यहाँ ई जो बड़ा वाला महल दिख रहा हैं, यहीं खेला करते थे।

बुढ़ियाः हां, हां, ओ चंद्रकला! बताती थी तुम यहीं से हमे घूर-घूर कर देखा भी करते थे।

बुढ़ऊः धत्त पगली! हम तुम्हें काहे देखते?

बुढ़ियाः रहने दो तुम तो शुरू से अपनी ही बात माने हो।

बुढ़ऊः नहीं कमला! मैं तो शादी के बाद ही छोड़ देता ये शहर; लेकिन नहीं छोड़ पाया कभी; जब भी एक कदम बढ़ाया हूँ; यहीं से दो कदम पीछे चला गया हूँ जीवन में।

बुढ़ियाः छोड़ो! बाबा खाने भर तो दे ही रहे हैं और यहीं तो मैं भी मिली हूँ न तुम्हें

बुढ़ऊः हां,कमला! अब तो शरीर साथ भी नहीं दे रहा लगता हैं कुछ दिन का जीवन हैं अब

बुढ़ियाः चुप रहोगे? की मैं जाऊं नाराज होते कमला बोलती हैं।

बुढ़ऊः कमला! उदास क्यों होती हो पगली! तुम्हे छोड़ कहां जाऊंगा?

बुढ़ियाः अब से न बोलना ई सब,एक तुम्हीं तो हो जिसे देख जी रही हूँ।

कुछ देर चुप रहने के बाद सुनो कमला! हां; कहो -

कमला एक बात कहें गुस्सा न करना आखिर एक दिन तो सामना करना ही पड़ेगा।

आश्चर्य से कमला कहती; बोलो नहीं मानूंगी बुरा!

बुढ़ऊः कमला मणिकर्णिका पर जब मैं जाऊंगा न तो तुम भी चलना मेरे साथ; ये समाज बहुत नियम बताएगा - स्त्रियों को नहीं जाना चाहिए श्मशान, लेकिन कमला! तुम रहना मेरे पास। मेरी आत्मा एक बार देख तुम्हें परमात्मा में विलीन भी हो जाए तो मैं प्रार्थना कर वापस आ जाऊंगा; सातो जन्मो के अपने फेरों का मान रखने।

बुढ़ियाः छोड़ो ये सब कुछ अच्छी बाते बोलो..

बुढ़ऊः अपना हाथ दो कमला! हां अब बोलो कमला बहुत प्यारी हो तुम! मेरे नजर के सामने ही रहो अब; छोड़ दो काम पर जाना।

कमला मुस्कुराती हुई।

धत पगले!

तुम अभी भी न सुधरे!

सुबह होते ही,

बुढ़ऊः कमला! देखो तो पेपर वाला पेपर दे गया हैं क्या?

बुढ़ियाः हां,लेकिन एक बताओ,ये तुम रोज रोज क्या पढ़ते हो इसमें!

बुढ़ऊः कमला! तू न समझेगी,देखता हूँ किस दिन सोने का रेट कम होगा

बुढ़ियाः क्या-क्या कहा? क्या करोगे इस उमर में सोना।

बुढ़ऊः कमला आज तक तुम्हारे पैरों में सोने का पायल न दे पाया हूँ चाहता हूँ देख लो कि मेरी कमला! पायल में कैसी दिखती हैं।

बुढ़ियाः ये सब क्या कहते हो जी! ये उमर अब पायल पहनने का रह गया है;क्या कहेंगे लोग की बुढ़ापे में सज संवर रही हैं।

बुढ़ऊः कहने दो न कमलादुनिया कब किसी को अपने से बेहतर होते देखी हैं।

कमला कुछ देर शान्त रहने के पश्चात।

सुनो जी

आप सही कह रहे हैं हमारी भी ईच्छा थी कि पायल लूं।

बुढ़ऊः यानि काशीराम! सुबह सुबह नहा धोकर अपना डंडा हाथ में लिए टैक्सी रुकवाते सुनो भाई; हमको नई सड़क छोड़ देना जरा।

ड्राइवरः ठीक ह चच्चा! कालू पान वाले के पास छोड़ देब!

बुढ़ऊः एकदम टाइट मिजाज में पान घुलाते बेटा सोने का भाव क्या हैं अभी?

दुकानदारः अभी अठाईस हजार भरी हैं काका;

बुढ़ऊः अच्छा! उ जो मीना कुमारी फिल्म में पायल पहनती हैं वो कितना में बन जाएगा बेटा!

दुकानदारः काका उ में दस हजार लगी;

बुढ़ऊः अच्छा;ठीक हैं।

बना दो हम सोमवार को आयेंगे।

ये लो दु हजार रख लो हम आयेंगे! भरोसा दे देते हैं तुम्हे।

काशीराम का सपना आज वर्षों के बाद पूरा होते दिख रहा था

कमला के पैरों में पायल कितना सुंदर लगेगा!काशीराम सोचते सोचते घर के तरफ़ बढ़ ही रहा था कि कमला!

क्या जी बड़ा मुस्कुरा रहे हो क्या बात हैं?

काशीरामः कमला! थोड़ा शर्माते; कमला आज हमारे लिए बहुत खुशी का दिन हैं। थोड़ा चाय पिलाओ हमे अभी।

चेहरे पर खुशी देख कमला ठीक हैं मुंह पैर धोइए बस बना रहें हैं।

सत्यम पांडेय।

भगतवा का पुस्कारा भूत

सुधीर बाबू का भूतों से कभी नहीं पटा ! कभी लातों से, कभी जूतों से और कभी मूतों से पीटा है उन्होंने !

परन्तु भगतवा के भूत ने उनको खूब दौड़ाया ..!

भगतवा पहले न भूत था न शिव भक्त था। पहले वह शिव भक्त बना फिर भूत बना। लोग कहते हैं, भगतवा जन्मजात शिव भक्त नहीं था। बस बन जाना पड़ा था उसे। जैसे हालात का मारा कभी कभी कोई चोर डाकू बन जाता है।

भगतवा एक छोटा मोटा किसान था। खेती बारी की आमदनी से उसका घर परिवार चलता था। इसके अलावा जंगली जड़ी- बूटियों से वह एक सालसा (पे पध्दार्थ) भी बनाता था। लोगों की माने तो उस सालसा से महिलाओं की लाल प्रदर और श्वेत प्रदर जैसी भयानक बीमारियों से मुक्ति मिल जाती थीं। गठिया - वात की भी वह अचूक दवा लोगों को देता था। इस कारण उसे वैध जी की भी उपाधि मिली हुई थी। उसके हाथों बनी दवा से बहुतों को ठीक होते हमने भी देखा था । गाँव के बाहर भी उनकी दवा और सालसा की बहुत मांग थी । भगतवा में एक गुण और भी था। वह सोहराई- महराई बहुत उम्दा स्वर में गाता था। देर रात तक उसके घर के बाहर लोग उनका सोहराई- महराई सुनने को जमावड़ा लगाये रहते थे । कुल मिलाकर उनके सादगी जीवन में शांति थी। गाँव में लोग उसे सोमरा काका कहते। सोमर महतो उसका बपौती नाम था । भगतवा तो बोनस के रूप में उस पर आ चढ़ा था।

सावन का महीना था। पहाडी किनारे के खेत में भगतवा हल जोत रहा था। तभी उसका हल जमीन भीतर किसी कठोर पत्थर में फंस गया । हल- साइंड टूटने की नौबत आ गयी थी । सूझबूझ और बड़ी मुश्किल से उसने हल को बाहर खींच पाने में सफल हुआ था। हल के साथ ही एक डेढ़ फीट का मोटा खीरा आकार का पत्थर निकल आया । बाद में गाँव वालों ने उसे शिवलिंग के रूप में प्रचार प्रसार करने में कोई कोताही नहीं की ।

गौरैया से लेकर बगुला तक और पोठी माछ से लेकर घोंघी- खाखरा (केकडा) तक सिझा-पका कर बड़ी चाव से खाने वाले कुडमी सोमर महतो रातों-रात भगतवा के नाम से शुमार हो गया था। अब छोटे बड़े, बच्चे-बूढ़े सभी उसे भगतवा-भगतवा कह पुकारने लगे। इससे वह बड़ा ही असमंजस में पड़ गया था। उसे लगता एक सीधे साधे को धर्म का चोला ओढ़ाया जा रहा है- फंसाया जा रहा है ! पर उसे जब गाँव पंचायत में आओ भगतवा कह बैठने को कहा जाता तो बड़ी खुशी मिलती !

एक दिन गाँव के मुखिया जी ने कहा भाग्य से भगवान् मिला है, तुम्हें इनके लिए एक मंदिर बनानी चाहिए..!

जिस घर में बड़ी मुश्किल से दो वक्त चूल्हा गरम होता था और जिस घर में खाने को लेकर दिन रात किचिर किचिर होती रहती थी। उसी घर में शिव मंदिर कैसे बने, भगतवा को क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए अब इसकी चर्चा ने हर चर्चा को पीछे छोड़ दिया था। इस स्थिति में खुद को फंसता देख भगतवा डर तो जरूर रहा था। फिर भी आगे बढ़ रहा था । कोई अंजान शक्ति उसे आगे खींच रहा है, ऐसा उसे लगता था।

अगर सचमुच भगतवा को भगवान् मिल गया था तो उस घर से भूख और दरिद्रता मिट जानी चाहिए थी। लेकिन यह क्या भगतवा की मेहरारू तो भूतनियों की तरह नाचना शुरू कर दी थी।

सुना तो मुखिया ने एक दिन फिर कहा - सोमरा, तुमको शिव मंदिर बनाना ही होग। तभी अब तुम्हारे घर में शांति आ पायेगी..!

लेकिन गाँव वालों का साफ कहना था कि भगतवा की मेहरारू डायन सीख रही है, उससे सावधान रहने की जरूरत है ! भगतवा खुद को विकट परिस्थितियों में फंसता पा रहा था ।

तभी एक दिन पता चला,शिव मंदिर बनाने के लिए भगतवा ने भाग दौड़ शुरू कर दिया है । सोमनाथ मंदिर निर्माण हेतु रशीद भी छपने दे दिया है। जो आदमी अपने गिदर-बुतरू खातिर आज तक एक ढंग का घर न छार(बना) सका वो अब भगवान् शिव के लिए सोमनाथ मंदिर बनायेगा। जिसका बाप दादा कभी किसी मंदिर में पूजा पाठ करने नहीं जाता था। उसी का खून अब सोमनाथ मंदिर बनायेगा। खुद भगतवा ने आज तक किसी मंदिर में कदम नहीं रखा था। निरन मासे, सुबह उठता और दिन भर पंडकी पेरवा और मछली खाखरा मारता फिरता था। वही भगतवा अब भगवान् का घर बनाने की चिंता में दुबला होता जा रहा था। उसका खाना- पीना और हगना सब मंदिर निर्माण में लग गया था। रात में घर में सोता जरूर लेकिन सुबह उसकी किसी दूसरे गाँव में होती थी। मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करना ही उसका मिशन बन गया था। जैसे जैसे मंदिर का काम आगे बढते जा रहा था, भगतवा का नाम भी लोगों की जुबान पर चढता जा रहा था । अब भगतवा बदल रहा था। वह खुद को बड़ा भाग्यशाली समझ रहा था। अब कायदे से भगतवा की मेहरारू को भगताईन कहा जाना चाहिए था। लेकिन गाँव वाले डायन शब्द को ही वापस लेने को तैयार नहीं थे।

चंदा- बिहरी, भाग-दौड़ और लोगों के सहयोग से आखिर भगतवा ने गांव की टुंगरी वाली जमीन पर एक छोटा सा शिव मंदिर बनाने में कामयाब हो ही गया। नाम रखा गया सोमनाथ मंदिर

लोगों ने भगतवा की इस उपलब्धि की खूब तारीफ की और चारों तीरथ घूम आने का फल बताये। वक्त के साथ भगतवा के मुख मंडल पर बदलाव आ गया । अब उस पर चंदन टीका लगने लगा। और उसका अधिकांश समय पूजा पाठ में बीतने लगा। पर बहुत दिन नहीं बीते थे कि तभी एक लड़के ने उसे यह एहसास दिला दी कि उसके घर में एक जवान बेटी भी है और उनकी शादी कराना मंदिर से भी ज्यादा जरूरी है। चंदा उगाही कर तो उसने भगवान् का मंदिर बना दी। लेकिन बेटी की शादी में उसे चंदा कौन देता

कुछ लोगों की सलाह पर उसने फिर से सालसा बनाना शुरू कर दिया जो मंदिर बनाने की फेर में बंद हो गया था। जिसे लोगों का आज भी बहुत मांग थी।

एक बार फिर भगतवा की भाग दौड़ शुरू हो गई। बेटी के हाथ पीले कराना मंदिर से भी बड़ा काम था। मंदिर के लिए उसने अपना तन मन झोंक दिया था। वही भगतवा बड़ा ठगा सा महसूस करने लगा था। बड़ी मुश्किल से तो वह बेटी की शादी पार लग़ा पाया था। उसे दुख इस बात से हो रही थी कि मंदिर में न चढ़ावा आ रहा था और न लोग आ रहे थे। लोग चर्चा करते कि गरीब के बनाये मंदिर में भला भगवान् विराजमान होते सुना है कहीं । उधर कायदे से भगतवा ने माछ खाखरा खाना छोड़ दिया था और गले में जनऊ धारन कर लिया था। कहाँ तो वह सपना देख रहा था कि लोग मंदिर में आयेंगे, ढेर सारे चढ़ावा चढ़ायेंगे। भगवान् का भी भोग लगेगा और उसका भी भूखा पेट शांत हो जायेगा। लेकिन यह हुआ नहीं। वह उदास हो गया । निराशापन उसके अंदर जमने लगा था।

दूसरी तरफ भगतवा की मेहरारू का डायन वाले मामले ने जोर पकडना शुरू कर दिया था। इस विषय पर भगतवा के बड़े बेटे मोहन से सुधीर चौधरी बाबू का दो बार आमना सामना हो चुका था। डायन भूत वाली बातों पर सुधीर बाबू को जरा भी यकीन नहीं था।

उधर मंदिर की पूजा पाठ कर मन की शांति ढूंढ रहे भगतवा के जीवन से ग्रह- गोचर, जाने को तैयार नहीं था। कोई न कोई ग्रह उठ खड़ा हो जाता था। मंझिला बेटा जिबना और छोटका बिसना की शादी होते ही घर में बर्तन से बर्तन टकराने लगे। इससे भगतवा का टेंशन और भी बढ़ गया। कहां तो सोच बैठा था कि बेटों की शादी हो जाने से थोड़ी राहत मिलेगी! सकून मिलेगा। लेकिन बर्तनों की टकराहट इतनी बढ़ गई कि एक दिन घर के भीतर दीवारें खड़ी हो गई। और भगतवा कुछ न कर सका। बेटों के आगे उसकी एक नहीं चली। बेटों से ज्यादा उन्हें बहुएँ ताकतवर लगीं थी।

बेटों के आगे घर बंट जाने से किसको कितना लाभ हुआ - वही जानें। लेकिन भगतवा के हिस्से में दुख ही दुख आया था। बीमार दिखने वाला भगतवा भाग्य के आगे और बीमार और लाचार हो उठा था। उधर घर बाटने की तरह बेटों ने उसे भी बांट लिये थे। और यह उसके जीवन के सबसे बुरे दिनों में देखा गया था। कुछ ही दिनों में बेटे बहुओं के व्यवहार से ऊब चुके भगतवा ने तभी एक निर्मम निर्णय लिया था- सबसे अलग रहने का निर्णय ! इस पर बहुतों ने उसे बहुविधि समझाने की कोशिश की। लेकिन वो माने नहीं। बाद में उसका यह निर्णय बहुत बुरा साबित हुआ। जैसा लोगों ने सोचा भी नहीं था ।

अकेले में कभी कुछ बना लेता,कभी कुछ खा लेता । इस तरह अभी साल भर गुजरा ही था, कि अशक्त शरीर ने उन्हें बेटों के सामने ला खड़ा कर दिया। उसने तब भावुक स्वर में कहा था अब मैं मंदिर में पूजा पाठ नहीं कर पाऊंगा। कुएं से पानी खींचते खींचते मेरी सांसे फूलने लगती है। अब यह काम तुम्हीं तीनों में से किसी को करना है..!

भगतवा के इस फरमान के आगे झुकने को कोई तैयार नहीं था। मांस-मछली खाने वाले बेटों ने अपनी जीभ में कांटा ठेंकने को तैयार नहीं दिखा। और सभी खामोश बने रहे। परन्तु भगतवा कैसे खामोश रहता। भले भगवान् को भक्त की चिंता न हों, लेकिन भक्त भगवान् को कैसे भूल जाता।

सप्ताह दिन भगतवा ने वही प्रस्ताव फिर तीनों बेटों के सामने रखा,तो मोहना हथे से उखड़ गया हम महीना, दो महीना में घर आते है, घर आकर अपने बाल बच्चों के बारे सोंचे कि तुम्हारे भगवान् के बारे यह काम हमसे नहीं होगा, किसी ओर से कहो ।

नया नया ट्रक ड्राईवर बने छोटा बेटा भिखना, जिस पर भगतवा को बड़ा भरोसा था और भिखना का भी अपने बाप के प्रति कुछ ज्यादा ही लगाव था, ने भी इस काम से सीधे इंकार कर दिया। कहा हम भी तो काम के सिलसिले में बाहर ही रहते है। यह काम मुझसे नहीं होगा..!

भगतवा ठगा सा छोटका को देखता रह गया। क्या सोचा था और क्या निकला। अब भगतवा के सामने एक मात्र उम्मीद की किरण मांझिल बेटा जितना था। जो भगतवा का पूरा जिरोक्स था ! माछ खाखरा, पडंकी मैना का शौकीन। हालांकि वह भी तारमी कोलियरी में लोकल सेल में कोयला लोड करने जाता था। इधर उसकी औरत पर भी सास से मिल कर डायन सीखने का आरोप लग रहा था ने भी अपनी बात रखते हुए कहा भगवान् की पूजा पाठ कैसे की जाती है, मुझे पता नहीं, पहले गाय बकरी चराता था, फिर आपने खेती बारी में लगा दिया, वह भी किया। अब लोकल सेल में झोडा ढोता हूँ । कहते हो तो यह भी काम कर दूंगा। लेकिन मांस मछली खाना और दारू पीना हम नहीं छोडेंगे..!

सुन भगतवा को गहरी वेदना हुई। भगवान् के प्रति ऐसा निरादार का भाव। जिस भगवान् के खातिर उसने सब कुछ छोड़ दिय- त्याग कर दिया, उसी भगवान् की पूजा के लिए उसके पास कोई वारिस नहीं था । रात को वह रो पड़ा था। बहुत दिन नहीं बीता। वह सोच रहा था -

भूखे भजन अब होगा न भोला,
उतारता हूँ भक्त का चोला

भगवान् के नाम पर रोज तिल तिल कर मरने वाला भगतवा ने एक दिन देह ही त्याग दी । वह तीन दिनों से भूखा था । बेटा पुतोहू को लगता बीमारी के कारण भगतवा खा नहीं रहा है। जबकि वह कई दिनों से खाना नहीं बना पा रहा था।

भगतवा के मरने के साथ ही उसके घर पर ईंट पत्थर बरसने शुरू हो गये। हैरानी की बात ! शाम होते ही ईंट पत्थर घर पर गिरने शुरू हो जाते। सारे हैरान- परेशान । किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि यह सब कैसे और कौन कर रहा है ! सब चकित, सब भयभीत! पडोसी तालो मामा ने घर आकर उन सबसे कहा भगतवा का पुस्कारा लगा है। उसका भूत यह सब कर रहा है। तेरहवीं तक चलेगा यह सब..!

तब तक तो घर का एक भी खपरा सही सलामत नहीं बचेगा..! मोहना कुछ ज्यादा ही डरा हुआ था।

आधे खपरे तो टूट चुके हैं..! जितना था यह।

तीन तीन दिन भूखे प्यासे रह कर मरा है ! यूँ ही तुम सबको नहीं छोडेगा..! एक पडोसी की टोन।

तेरह चौदह दिन सब संभल कर रहना! पुस्कारा भूत का फेंका पत्थर जिसको लग जाता है, उसे वह अपनी जोड़ी बना लेता है..! कह तालो मामा चले गए। डर ने उसी वक्त से असर दिखाना शुरू कर दिया। तीनों बेटों की बहुओं ने अपने अपने घर के कोनों में पेशाब करने की हंडिया रख लीं। भगतवा सुधीर बाबू का गुंगू बाप (पिता के बड़े भाई) था। गोतिया होने के नाते खतरा उनके परिवार को भी था। ऐसा उनके घर वालों का तर्क था। लेकिन घर में सबको पता था कि सुधीर बाबू यह सब नहीं मानेगा । उसने साफ मना कर दिया किसी को डरने की कोई जरूरत नहीं है। सब को अपने किये क्रमों का फल यहीं भोगना पड़ता है। जैसा उन लोगों ने भगतवा के साथ किये हैं, उसकी सजा भुगतने दो उन्हें..! और वह डियूटी पर निकल गया था। इधर भगतवा की तेरहवीं पार हुआ। उधर घर वालों ने भयमुक्त सांस ली। शाम होते होते सभी के चेहरे से तनाव गायब हो चुके थे। मन में बैठा भगतवा का भूत भाग चुका था। लेकिन जैसे ही अंधेरा घना हुआ। पत्थरों की बारिश फिर शुरू हो गयी। दिन के उजाले के भयमुक्त चेहरों पर डर का पांव फिर जम गया । भयातुर स्वर बाहर आने लगे यह जरूर किसी के सौंपे हूए भूत की करामात है..! % मोहना कुछ ज्यादा ही डरा हुआ मालूम जान पडता था। वही भगतवा का बड़ा बेटा भी था ।

लगता है, बाप को भी किसी भूत ने ही मारा है। बिसना बोला।

कौन है यह साला भूत पता करना होगा.. जितना कुछ ज्यादा पिया हुआ था। खैर सुबह हुई, तीनों भाई तेरह लोगों से मिले और छबीस तरह की बातें लिए घर लोटे। भाईयों की राय मिली, गोतनियों के बातें

> भगतवा
> एक छोटा मोटा किसान था। खेती बारी की आमदनी से उसका घर परिवार चलता था। इसके अलावा जंगली जड़ी- बूटियों से वह एक सालसा (पे पध्दार्थ) भी बनाता था। लोगो की माने तो उस सालसा से महिलाओं की लाल प्रदर और श्वेत प्रदर जैसी भयानक बीमारियों से मुक्ति मिल जाती थीं। गठिया - वात की भी वह अचूक दवा लोगों को देता था। इस कारण उसे वैध जी की भी उपाधि मिली हुई थी। उसके हाथों बनी दवा से बहुतों को ठीक होते हमने भी देखा था ।

मिलीं। किसी अच्छे ओझा-गुणी के पास जाना होगा तय हुआ। अब भगतवा के घर वाले ओझाओं के चक्कर लगाने शुरू कर दिए थे। आज भी एक नामी ओझा के पास पालमू गए थे। लौटे तो लगा आज ऐ लोग किसी का खून कर देंगे। सबके चेहरे पर गुस्सा चिपका हुआ था भ। जब घर में तीनों भाईयों के बीच विचार विमर्श हो रहा था, तभी उनकी जनानियां घर के बाहर निकल आयीं । इसके पहले कोई कुछ समझे, अपने घर की पिंडा पर अकेली बैठी सुधीर बाबू की भवासीन पर जितना की औरत ने हमला कर दिया। अकस्मात इस हमले से वह संभल नहीं पाई और पिंडा से नीचे गिर पडी। उसी वक्त लपक कर मोहना की मेहरारू ने उसकी साड़ी खींचनी शुरू कर दी, इरादा था उनकी भवासीन को नंगी करना । जितना की औरत भवासीन की चूल पकड़ रखी थी। उसी वक्त सुधीर बाबू की पत्नी कुंए से पानी लेकर आ रही थी। सामने की नजारा देख उसका खून खौल उठा। माथे की डेगची जमीन पर पटकी और जो हाज़िर सो हथियार की तरह सामने से एक कौरेया की लकड़ी उठाई और उन दोनों गोतनियों पर दे दनादन चलानी शुरू कर दी। अगले ही पल वहाँ का माहौल चीख पुकार में बदल गया। गाली गलौज का बाजार लग गया।

हल्ला सुन पहले जितना बाहर निकला। देख उसकी घर की औरतें मार खाते हुए भाग रही हैं। वह जोर से चीखा.. अरे, कहाँ भाग रही हो, काहे छोड़ दिया स्याली को यही तो खुराफात की जड़ है। इसी का नाम उठता है , इसी का भूत है ..!

कौन पठवा कहता है मेरा भूत. है मै उसका मुंह नोच लूंगी..! सुधीर बाबू की भवासीन संभल चुकी थी।

तमाशा आगे और बढ़ता, इसके पहले तालो मामा लूंगी समेटे एक बार फिर कूद पड़े इस तरह घर के बाहर कुकुर बिलार की तरह लडना ठीक नहीं है, मिल बैठ कर समस्या का हल निकालो, पंचायत बुला लो.!

हाँ, हां पंचायत कर लें, इनका ही मुंह काला होगा..! पेचकाई डेगची को लोढ़ी से ठीक करते हुए सुधीर बाबू की पत्नी ने हुंकार भरी।

शाम को मोहना के घर के बाहर पंचायत बैठी। मुखिया ने मोहना से सबसे पहले बात रखने को कहा। पंचायत उसी ने बुलायी थी।

बाप के मरने के बाद हम बहुत परेशान है..! मोहना ने कहना शुरू किया गोतिया का भूत हमें बहुत परेशान कर रहा है। पंद्रह दिनों से हमारे घर पर पत्थर फेंके जा रहे हैं। डलिया लेकर कई ओझाओं के पास गए। सब जगह इसी का भूत ठहरता है। फिर वह बैठ गया।

उसका इशारा सुधीर बाबू की तरफ था ।

ओझा लोग तो बड़ा अगम जानी होता है, तब तो वह यह भी बताया होग कि कौन सा भूत क्या खाता है.. मुखिया ने मोहना से पूछा।

हां, खानोडीह के ओझा ने बताया कि वह भूत, भेड़ा और लाल मुर्गा के साथ काली कोटेर खाता है..!

अच्छा..! सुधीर बाबू, आपका गोतिया कह रहा है कि आपका भूत उन लोगों को परेशान कर रहा है, इस पर क्या कहना है..

मुखिया जी, भूत- प्रेत तो महज़ एक बहाना है, हमें नीचा दिखाने का, वास्तव में ये लोग हमारी उन्नति देख जलते हैं । आज इन लोगों ने हमारे घर की महिलाओं के साथ मार पीट की है, अब मैं चुप नहीं बैठूंगा। थाने जाऊंगा। अब यह मामला थाने में जायेगा..! कह सुधीर बाबू बैठ गया था।

मामला थाने में काहे जायेगा, आप लोग कुरपनिया के ओझा के पास जाइए, आपके साथ गाँव के पांच लोग भी जायेंगे, वह ओझा जाल फांस नहीं करता है, मैने देखा है, खरी खोटी सच बताता है। जो सच होगा दोनों पक्ष को मानना होगा..! इसी के साथ मुखिया जी चले गए। धधकल आग में जैसे पीछे से एक लकड़ी लगा गए ।

दो दिन बाद कुरपनिया ओझा के पास गाँव के पांच लोगों के साथ सुधीर बाबू का भाई और भवासीन गयी थी।

कुरपनिया के ओझा ने मामले की नजाकत को समझा, गुना भाग किया और हाथ झाडते हुए कहा था भगतवा को किसी भूत ने नहीं, उसे भूख ने मारा है। वह तीन दिन तक भूखों प्यासों छटपटाता रहा, पर किसी बेटे ने उसे पूछा तक नहीं, आज भी वह भूत बन कर मारा मारा फिर रहा है और गुस्से में घर वालों को ईट पत्थर से मार रहा है..!

मोहना का मुंह बंद हो चुका था। साथ गये गाँव वालों ने भी उसे बहुत भला- बुरा कहा और शाम को सभी लौट आये। दूसरे दिन मोहना चुपके से शंकरडीह चला गया। वहां वह फिर एक ओझा से मिला और सारी बातें बताई। जवाब में ओझा ने कहा यह सच है कि तुम्हारे बाप की आत्मा भटक रही है। लेकिन उसके साथ एक भूत भी मिला हुआ है। और यह सब वही करवा रहा है। पर चिंता की बात नहीं है, पांच हजार लेंगे। तुम जहाँ चाहोगे, मैं दोनों भूतों को उस जगह पहुंचा दूंगा । वह ओझा खुद को बड़ा गुणी बता रहा था हाँ, अगर तुम किसी से बदला लेने की सोच रहा है तो वो भी बताओ, हम दोनों भूतों को उसकी जोत- कोड़ में गाड देंगे। सब दिन वह परेशान रहेगा..!

पांच हज़ार सुन पहले तो मोहना का पसीना छूट गया। लेकिन उस पैसे से वह अपने दुश्मन को परेशान कर सकता है, इससे वह उत्साहित हो उठा क्या सचमुच ऐसा हो सकता है..

बिलकुल होगा..! ओझा ने गारंटी दी मैं ऐसा कई जगह कर चुका हूँ..!

अब तो मोहना को मानना ही था।

अभी सूर्योदय में देर थी। और बांसों की झुरमुट से चिड़ियों का उडना बाकी था। गेहूँ के खेत में सुधीर बाबू को पानी देना था। बरसों से लटा- कुण्डी से वह पानी पटवन का काम करते आ रहे थे। आज भी उन्हें पटवन करना था। सुबह के उजाले में उसने पानी पटाना शुरू किया। अभी तीसरी कुण्डी पानी खींच ही रहे थे कि कुण्डी में भरा चला आ रहा एक लाल पोटली ने उन्हें चौंका दिया। यह लाल पोटली कुएं में आयी कहाँ से किसने डाला, किसकी यह हरकत हो सकती है उसका मकसद क्या रहा होगा एक साथ कितने ही सवाल उनके दिमाग में कुलबुलाने लगे थे।

तब सारे सवालों के पीछे ठेलते हुए उन्होंने पोटली को बाहर लाए। तत्पश्चात उसे खोला । क्रोधित आंखों से देखा लोहे की बनी एक सिंघी, एक छोटे आकार का त्रिशूल, सिंदूर की एक पुड़िया, भेलवा, और अरवा चावल के साथ ढेर सारे सरसों दानें बाहर निकल रहे थे..! एक डंडे के सहारे उन सभी चीजों को उन्होंने उलटा-पुलटा कर देखा और सभी को निहारा भी , फिर जोर से हंस पडे । अगले ही क्षण खड़े होकर बारी बारी से उन सभी चीजों पर अपना मूत्र तर्पण करने लगे थे ।

पानी पटवन कर घर लौटे तो रास्ते में मोहना के कुएं में उस पोटली को डालते चले आये थे।

श्यामल बिहारी महतो
बोकारो, झारखंड
फोन नंबर
6204131994

विचार प्रवाह

निराशा त्यागे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैंद्य निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैंद्य निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है, जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है।

बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंद्य सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार की मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैंद्य यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है, और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोहनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके।

संजीव स्तंभकार, चिंतक लेखक, टिप्पणीकार, रायपुर
छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

किसी वेबसाइट का लिंक मैसेज में मिलता है तो उस पर क्लिक करने से पहले कई बार सोचें

अपने आप को स्कैम से बचाने के पांच तरीके

इन्दौर। नया साल आने वाला है और इसके साथ ही स्कैमर्स और फ्रॉड करने वालों की तैयारियां भी बढ़ रही हैं, जिन्हें आपकी निजी जानकारी और कमाई चुराने का अवसर मिल सकता है। यहां हम 5 तरीके बता रहे हैं जिनसे आप खुद को नये साल में अपने आप को स्कैम से बचा सकते हैं।

वेबसाइट का रिव्यू चेक करें- न्यू ईयर पर हर कोई जश्न में डूबा रहता है और फ्रॉडस्टर्स इस बात के लिए तैयार बैठे हैं कि यूजर्स का ध्यान भटकाकर उन्हें ऑनलाइन स्कैम में आसानी से कैसे फंसाया जाएगा। अगर आप अकसर ही ऑनलाइन बढ़िया डील के इंतजार में रहते हैं तो यह भी एक ऑनलाइन ठगी का एक तरीका हो सकता है। कई बार ये ठग ट्रैवल ऑफर्स और स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स पर डिस्काउंट डील देकर लोगों को लुभाने की कोशिश करते हैं। इसलिए हमेशा यह सुनिश्चित करें कि जिस वेबसाइट से आप सामान खरीद रहे हैं तो वह वैध हो और फेक ना हो। किसी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की ऑथेंटिसिटी चेक करने के लिए आप गूगल पर जाकर वेबसाइट के नाम के साथ रिव्य लिखें या फिर थर्ड-पार्टी सर्विसेज जैसे ट्रस्टपायलेट का इस्तेमाल करें।

किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें

अगर आपके दोस्त या परिवार से आपको किसी वेबसाइट का लिंक मैसेज में मिलता है तो उस पर क्लिक करने से पहले कई बार सोचें क्योंकि आपके एक क्लिक करने से आपकी सारी मेहनत की कमाई जा सकती है। इसके अलावा एक लिंक से ही हो सकता है कि आप डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो जाएं। ये फ्रॉडस्टर्स न्यू ईयर के मौके पर यूजर्स को ईमेल में फेक वेबसाइट्स के लिंक भी भेजते हैं। किसी भी अनजान यूजर्स से मिलने वाले लिंक पर क्लिक करने से बचें, खासतौर पर अगर ईमेल को किसी अनजान शख्स द्वारा भेजा गया हो।

बैंक से कॉल के नाम पर धोखाधड़ी

स्कैमर्स अब आर्टिफिशियल और ह्यूमन इंटेलिजेंस को एक साथ इस्तेमाल कर रहे हैं और जाने-माने बैंकों के फोन नंबर और उनके प्रतिनिधियों की आवाज बनकर लोगों को फंसा रहे हैं। ऑनलाइन या फोन कॉल पर किसी भी बैंक प्रतिनिधि और किसी दूसरे शख्स के साथ अपनी निजी जानकारी शेयर करते समय बेहद सावधान रहें।

अगर आप सोशल मीडिया वेबसाइट्स पर किसी प्रोडक्ट को देखते हैं तो क्लिक करने से पहले ऑथेंटिसिटी चेक करें। अगर आपको अपने दोस्त से कोई ऐसा मैसेज या लिंक मिलता है जिसमें डिस्काउंट पर कोई सामान मिल रहा हो तो बेहतर है कि पहले यह चेक करें कि वाकई ऐसा है या नहीं और बेहतर है कि उन्हें कॉल कर लें और इस बारे में पूछ लें।

अपने अकाउंट्स में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन इनेबल करें

अधिकतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, ईमेल सर्विसेज और बैंक अब अतिरिक्त सिक्योरिटी के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑफर करते हैं। लेकिन कुछ ऐसी सर्विसेज भी हैं जो इस तरह के सिक्योरिटी फीचर नहीं ऑफर करतीं। अगर आप किसी अनजान और नई वेबसाइट पर लॉगइन कर रहे हैं या फिर गोपनीय जानकारी जैसे पासवर्ड या कार्ड इन्फो को एंटर कर रहे हैं तो एक नहीं दो बार यह चेक करें कि वेबसाइट फेक ना हो।

फ्री में सामान मिलने का लालच

स्कैमर्स द्वारा लोगों को अपने जानन में फंसाने का एक सबसे आम तरीका है कि उन्हें फ्री में सामान देने वाले कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का लालच दिया जाए। ध्यान रखें कि अगर आपको ऐसा कोई ऑफर मिला है जिसके बारे में आपको या आपके करीबी लोगों को नहीं पता तो निश्चित तौर पर यह एक स्कैम है। कई बार ये स्कैमर्स फ्री कैश प्राइस या गिफ्ट देने का लालच देकर यूजर से क्रेडिट या डेबिट कार्ड जैसे जरूरी डिटेल भी पूछते हैं। अगर आप भी कभी इस तरह की स्थिति में फंसे तो तुरंत कॉल काट दें या फिर टेक्स्ट मैसेज रोक दें।

विविधता और समावेशिता पर सबने अपने अनुभव साझा किये

इंदौर। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट ने विविधता और समावेशिता विषय पर एक प्रेरणादायक इवेंट का आयोजन किया। जिसमें वक्ताओं ने विचार विमर्श किया। सबसे कम उम्र कि सरपंच जमना चौहान ने सामाजिक मापदंडों को तोड़ने और अपने गांव में प्रगतिशील सुधार लागू करने कि अपनी यात्रा के बारे में बताया। और महिलाओ को सशक्त बनाना शामिल है। ट्रांसजेंडर अधिकारों कि अग्रणी गौरी सावंत ने आत्म स्वीकृति और धैर्य कि अपनी कहानी साझा कि। जिसमें उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदाय के साथ अपने कार्यो को उजागर किया। पर्वतारोही प्रियंका मोहिते ने अपनी दृढ़ता और सामाजिक चुनौती पर काबू पाने कि कहानी से दर्शकों को प्रेरित किया। मिडिया पेशेवर अर्जीक देशमुख ने धीमी गति से सफलता अवधारणा पर बात करते हुए धैर्य और सहयोग के महत्व पर जोर दिया। संस्थान के निदेशक डॉ. दिपांकर चक्रवर्ती और अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति कि अध्यक्ष डॉ. पूजा दर्दा। इस आयोजन में मानव भावना विविधता और समावेशिता कि परिवर्तनकारी शक्ति का उत्सव देखने का अवसर मिला। कार्यक्रम का संचालन संस्कृति त्रिपाठी और निकिता मट्ठा ने किया।

योग्यता एवं अनुभव के आधार पर पुनर्वास करे सरकार

25 प्रतिशत आरक्षण से खुश नहीं अतिथि विद्वान

इन्दौर। लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे अतिथि विद्वानों को मध्य प्रदेश सरकार ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा विभाग के राजपत्रित(असिस्टेंट प्रोफेसर, ग्रंथपाल, क्रीड़ा अधिकारी सहित अन्य) कर्मचारियों की भर्ती में 25 प्रतिशत आरक्षण दिया है। उन्हें आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट भी दी गई है, पर प्रदेश के अतिथि विद्वान सरकार के इस निर्णय से खुश नहीं हैं।

अतिथि विद्वान संघ के अध्यक्ष डॉ. देवराज सिंह का कहना है कि 20-20 साल से सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वान अब ओवर ऐज हो रहे हैं। ऐसे में उनका, योग्यता एवं अनुभव के आधार पर पुनर्वास किया जाना चाहिए।

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में 4500 अतिथि विद्वान कार्यरत हैं। इनमें से 3650 अतिथि विद्वान यूजीसी के मापदंड पूरे करते हैं। जबकि 850 एमफिल और पीजी है। डॉ. सिंह कहते हैं कि जो अतिथि विद्वान पहले से यूजीसी के मापदंड पूरे कर रहे हैं, उन्हें फिर से परीक्षा में बैठाना कहां तक ठीक है। इस निर्णय के कारण तो 1125 अतिथि विद्वान ही परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होंगे। ऐसे में सभी को लाभ कैसे मिलेगा, जबकि पिछले 20 साल से भी अधिक समय से वह इसी उम्मीद में पढ़ा रहे हैं कि कभी न कभी नियमित हो जाएंगे। वे कहते हैं कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 28 साल बाद साल 2017 में परीक्षा कराई थी। ऐसा ही आगे हुआ तो हम कभी नियमित नहीं हो पाएंगे। वर्तमान में कार्यरत अतिथि विद्वानों की उम्र 45 से 50 साल हो गई है। इसके बाद उन्हें दूसरा कोई मौका भी नहीं मिलेगा। इस निर्णय से अतिथि विद्वानों का काफी नुकसान होगा। हम मुख्यमंत्री से मिलेंगे और संशोधन का निवेदन करेंगे।

हटाए जाने का डर बरकरार

1 सितंबर 2023 को मुख्यमंत्री निवास में अतिथि विद्वानों की महापंचायत बुलाई गई थी, जिसमें 50 हजार रुपए मासिक वेतन देने, सरकारी कर्मचारियों के समान अवकाश, नजदीक के कॉलेज में तबादला, सीधी भर्ती में 25 प्रतिशत पद अतिथियों के लिए आरक्षित करने, प्रतिवर्ष 4 एवं अधिकतम 20 अंक देने, फालेन आउट अतिथि विद्वानों को फिर से रिक्त पदों पर मौका देने की घोषणा तो पूरी हो गई, पर अतिथि विद्वान को सेवा से बाहर नहीं करने की घोषणा अब तक पूरी नहीं हुई है।

संगीत की शाम का आगाज़ किया

इन्दौर। आदर्श पलसीकर कालोनी रहवासी परिषद द्वारा श्री एंड श्री म्यूजिकल ग्रुप एवं लखि गीत माला द्वारा संगीत की शाम का आगाज़ किया। आयोजन में वार्ड क्र 66 की पार्षद श्रीमती कंचन गिडवानी के साथ आजीवन संरक्षक मनोहर नागपाल व अध्यक्ष श्री गुरुबक्ष चुघ का सम्मान श्री लखि खेमलाणी एवं श्रीचंद सचदेव द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मनोहर नागपाल का जन्मदिन मनाया गया। इस समारोह पर शहर के वरिष्ठ सदस्य व् महा पंचायत के प्रमुख उपस्थित रहे विशेष कर लालचंद छाबरा, उपाध्यक्ष्य, नन्दलाल झवानी कोशाध्यक्ष्य, गुरुबक्ष चुघ, गणेश मटाइ, अदि उपस्थिर रहे। इसमें सिंधु महाजोत के सचिव अनिल फतेहचन्दनी, सिंधु विकास परिषद् के राजा मान्ध्वानी, रमेश गुप्ता, खानचंद चिमनी, भोजराज वाधवानी, रतनचंद रजनी उपस्थित रहे। आभार दिलीप दाभारे ने माना

13 वर्ष पुराना बीआरटीएस तोड़ने से पहले फ्लायओवर बनाया जाए: होलकर

इन्दौर। इन्दौर अभिभाषक संघ के पूर्व पदाधिकारी प्रदीप होलकर द्वारा आपको सुचित करने में आता है कि इन्दौर की धरोहर में एक बीआरटीएस जो कि लगभग 13 वर्ष पुराना है, उसे तोड़ा जा रहा है लेकिन उसको तोड़ने से पहले फ्लायओवर बनाया जाए।

ताकि पैदल आने जाने वाली आग जनता को पैदल बालों सुगमता पूर्वक रास्ता क्रास करने की सुविधा उपलब्ध हो सकें और आम जनता की धरोहर को सुगमता पूर्वक नए सिरे से बनाया जाए।

शहर के हित में बीआरटीएस का जब निर्माण हुआ है उसका उद्?घाटन विधि अनुसार आज तक नहीं हुआ है जिसकी जनहित में 2 याचिका न्यायालय में विचाराधीन है।

मुख्यमंत्री महोदय द्वारा तत्काल बीआरटीएस हटाने सम्बंधी जो आदेश पारित किया गया है वह उचित है। परंतु भोपाल की व इन्दौर की भौगोलिक स्थिति में बहुत अंतर है। जनहित में लोक परिवहन के लिए मेट्रो कार्य शीघ्र किया जाना चाहिए जो समय अनुसार धीमी गति से चल रहा है जिससे लोक परिवहन की सुविधा इन्दौर वासियों का शीघ्र उपलब्ध हो सकें। और यातायात पुलिस की व्यवस्था की संख्या बढ़ाई जाए। बीआरटीएस हटाने के पूर्व 12 वर्षों से पूर्व के प्रस्तावित फ्लायओवर, स्वचलित पेडिया (एसक्लेटर) का निर्माण पूर्व में किया जाना चाहिए।

वरदा कला संस्थान ने वैवाहिक लोकगीतों और रस्मों- रिवाजों पर विशेष कार्यशाला आयोजित की

चढ़ गए तेल फुलेल उतर गई पाखुरिया ,कौन रानी तेल चढ़ाये कौन की बहिनिया...

इंदौर। वरदा कला संस्थान द्वारा वैवाहिक समारोह विशेषकर हिंदू विवाह में गाये जाने वाले पारम्परिक लोकगीतो और रस्म - रिवाजों पर एक कार्यशाला का आयोजन बीमा नगर स्थित कम्युनिटी हाल मे किया । इस कार्यशाला में कीर्ति श्रीवास्तव और अनिता मिश्रा ने विवाह रस्मो के सांस्कृतिक महत्व को समझाते हुए प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला का उद्देश्य बताते और जानकारी देते हुए संस्था की निर्देशिका श्रुति राजीव शर्मा ने बताया कि विवाह रस्मों की हिंदू समाज में विवाह की शुरूआत् तिलक से होती है। इस रस्म को दोनों परिवारों के बीच औपचारिक शुरुआत माना जाता है जिसमे बड़ों के आशीर्वाद वर को प्राप्त होते हैं ,साथ ही यह सुख, शान्ति और समृध्दि का संकेत भी होता है तथा वर - वधू के शुभ और सफल वैवाहिक जीवन की प्रार्थना की जाती है। इसका गीत है तिलक आया है इन्दौर से, बन्ना के ससुराल से,,,तिलक बहुत थोड़ा है।

इसके पश्चात मागरमाटी की रस्म होती हैं, जिसमें घर के मानदान घर के परिसर से मिट्टी खोदकर सुहागनो की टोकरी में देते हैं ,जिसे सुहागने मिट्टी के घड़े में पानी के साथ मण्डप में आकर स्थापित करती है। इसका गीत है मटखोद्ना खोदना कहाँ से आए, इंदौर से आए कि भोपाल से आए बन्नी के जीजा मटखोद्ना । यह गीत सब मानदानों के नाम लेकर के गाया जाता है।

इसके पश्चात मत्रिका पूजन होता है, जिसमें घर की कुलदेवी की पूजा

की जाती है। तत्पश्चात तेल और हल्दी की रस्म होती है। भारतीय संस्कृति मे हल्दी को पवित्र तथा सौभाग्य का प्रतीक माना गया है । हल्दी में एन्टिसेप्टीक गुण होने से इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, तथा इसके उपयोग से बृहस्पति ग्रह की कृपा बनी रहती है जिससे वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है। साथ ही तेल लगाना तथा विशेष गीतों का गायन सभी समारोह के माहौल में योगदान देता है, जो जोड़े के लिए समुदाय की भावना और समर्थन को बढ़ावा देता है ,क्योंकि वे विवाह की अपनी यात्रा शुरू करते हैंगीत - चढ़ गए तेल फुलेल उतर गई पाखुरिया, कौन रानी तेल चढ़ाए कौन की बहिनिया,,,,। इन रस्मों के साथ बन्नी, बन्ना तथा कुलदेवी के गीत गाये जाते हैं।

भात - वर -वधू के मामा के यहाँ से वस्त्र, उपहार तथा मिठाई लाने पर गीत गाकर उनका जोरदार स्वागत किया जाता है। इसे भात, चीकट, मामेरा तथा कुटुम पैरावनी के नाम से भी जाना जाता है। गीत - सुनो भइया अरज मेरी समय पर भात ले आना....

द्वारपूजा/द्वारचार- जब बारात वधू के घर पहुँचती है, तब ये रस्म की जाती है। इसमें ये गीत - आई शिवजी की बरतिया हिमांचल नगरी..... गाया जाता है।

जयमाला - इसमें वर-वधू एक दूसरे को माला पहनाते हैं,जो दाम्पत्य जीवन में समानता को दर्शाता है।

चढ़ावा - इसमें वर पक्ष से वधू के लिए वस्त्र, आभूषण तथा सुहाग का सामान आता है। इसमें ये गीत - आज श्री सीताजी का चढ़त चढ़ाव, हरे मण्डप के नीचेजी....।

पाणिग्रहण/कन्यादान - इस रस्म में वधू के पिता अपनी बेटी का दान करता है। वर - वधू अग्नि को साक्षी मानकर सात वचनो के साथ सात फेरे लेते हैं। इस रस्म के साथ धान बुवाई तथा फेरे के गीत गाये जाते हैं। गीत- लावा परसा भइया लावा तोरी बहनी पियारी है हो, इसके पश्चात अजुरी की रस्म की जाती है तथा गीत गाए जाते हैं।

गीत- जइसा जल बिन मछली तड़पै अोइसा तड़पै, बेटी हो कि तड़प - तड़प बेटी करै भिनसार हो।

इसके बाद कोहबर/ जोत मिलाई की रस्म होती है,जिसमें इस प्रकार के गीत गाये जाते हैं। गीत - यहाँ के बाती वहाँ के बाता एकै मा मिलाय दै। विदाई के साथ वर- वधू के दम्पत्य जीवन की नई मंगलमयी शुरूआत होती है।

विदाई गीत- रो - रो ले बन्नी बतलाई सखी रे आज हमरी विदाई....। कार्यशाला में प्रिया मिश्रा ने विवाह गीतों को विस्तार से रेखांकित करते हुए कहा कि ये रिश्तों की गहराई देने के साथ साथ पारिवारिक एकता और सामूहिक आंनद को बढ़ावा देते है। आवश्यकता है कि हम इन लोकगीतो को अपनी सांस्कृतिक धरोहर मानकर इनका सरक्षण करे।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री माताजी निर्मला देवी के चित्र पर पुष्पार्चन से की गई। कीर्ति श्रीवास्तव, अनीता गुप्ता और प्रिया मिश्रा का स्वागत वन्दना शास्त्री ने किया । सोनाली, भारती, मनीषा, वनिशा, मंजू आदि रसिकों ने कार्यशाला का लाभ लिया। आभार माना श्रुति शर्मा ने।

कवि सम्मेलन से दी जाते साल को विदाई

इंदौर मनपसंद कला साहित्य मंच, इंदौर द्वारा दिसंबर माह के अंतिम दिनों में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था ÷विदाई जाते साल की।÷ इस अवसर पर सभी रचनाकारों ने जाते साल को विदाई देते हुए आने वाले नववर्ष में अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष जनार्दन शर्मा द्वारा गणेश वंदना से किया गया। तत्पश्चात श्री नरेश गोयल द्वारा संस्था को भेंट की गई सरस्वती की मूर्ति का अनावरण कर दीप प्रज्वलन किया गया। शारदे का आह्वान संरक्षक श्रीमती प्रभा तिवारी जी ने सरस्वती वंदना से किया। स्वागत मनासा जोशी जी ने भी सुंदर स्वागत गीत से किया। कार्यक्रम में मंच के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया, जिसमें सुश्री सुभाषा शुक्ला को अध्यक्ष चुना गया और गायत्री शर्मा, सचिव मनीष दवे, सह सचिव निलेश पाटिल, मीडिया प्रभारी हेमा जैन, डाली पाठक, व कार्यकारिणी के रूप में डॉ. अरुणा साराफ, डॉ. रीना पाटिल, सीमा जोशी, जसविंदर कौर, डॉ. ज्योति सिंह को चुना गया। वरिष्ठ कवयित्री मुन्नी गर्ग ने कविताओं से कार्यक्रम को सजीव बनाया। कवि रचनाओं में डॉ. ज्योति सिंह, पुष्पा पाटीलवाल, उषा मंडलोई, श्री संतोष त्रिपाठी, निर्मला राठौड़, संध्या राणे, नरेश गोयल, यशोभरा दुबे और अन्य कवियों ने अपनी-अपनी रचनाओं से जाते साल को विदाई दी।कार्यक्रम का संचालन जनार्दन शर्मा ने किया और सभी का आभार भारती दुबे ने व्यक्त किया

जबसे हमने उकड़ू बैठना बंद किया घुटनों के दर्द से ग्रस्त रहने लगे

इन्दौर जबसे हमने उकड़ू बैठना बंद किया, जबसे हमने धरती पर बैठना, पालती लगाना, सीढ़ियां चढ़ना, पैदल चलना बंद किया, जबसे हम दैनंदिनी में फिजिकल एक्टिविटी से दूर हुए हम स्लिप डिस्क, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, घुटनों के दर्द से ग्रस्त रहने लगे.... हम पूरे दिन अपनी बैकबोन और गर्दन को आगे की और झुकाए रखते हुए कार्य करते है। हमारे उठने बैठने का पॉश्चर गलत रहता है। हमारे सारे कार्य मशीनी हो चुके है। ये ही सब गलतियां हमारे इन रोगों के कारण बनती है।ये बातें योगी मनोज गर्ग, योग टेंपल आयुर्वेद पंचकर्म एवं नेचुरोपैथी सेंटर, नवलखा, इंदौर द्वारा निशुल्क सेमिनार में कही गई। इस बहुत ही सार्थक और ज्ञानवर्धक सेमिनार में इन रोगों को दूर करने, दूर रखने हेतु बहुत ही प्रभावशाली उपाय योग, डाइट और आयुर्वेद पंचकर्म सम्बंधित बताए गए। शहर भर से अनेक पीड़ित लोग अपने एक्सरे, एम आर आई के साथ जिनका परीक्षण कर उचित समाधान डॉ पिंकी गर्ग और डॉ निकिता दुआ द्वारा बताए गए।

गांव की बेटी एवं प्रतिभा किरण योजनाओं में छात्रवृत्ति के आवेदन प्रारंभ -

इन्दौर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित गाँव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाईन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन सुविधा प्रारंभ कर दी गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित समस्त पात्र छाताएं गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। छात्राएं पोर्टल https://hescholarship.mp.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिवों एवं शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के आवेदन सुनिश्चित कराने के लिए भी निर्देश जारी किये गये हैं।

विजयनगर थाना नया बनेगा

इंदौर ।विजय नगर थाने को तोड़कर जल्दी नई बिल्डिंग तैयार की जाएगी इसके लिए टेंडर भी आ गए हैं । इसके पूर्व थाने को किसी नई जगह पर शिफ्ट किया जाएगा । विजय नगर थाना प्रभारी ने बताया कि एक साल पहले थाना बनाने की स्वीकृत हो गई थी ।लेकिन यह मामला ठंडा बस्ती में चला गया था ।परिसर में400 से अधिक दो पहिया वाहनों को डफर द्वारा कराड़िया क्षेत्र में बनाए गए एक वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा है । वही परिसर में 60 से ज्यादा बड़ी गाडियां भी लम्बे समय से खड़ी हुई है ।थाना प्रभारी ने बताया कि थाने को तोड़कर बड़ी नई बिल्डिंग बनाई जा रही है वर्षा काल में थाने में पानी भर जाता है ।इस वर्ष भी बारिश के दौरान थाने का रिकॉर्ड खराब हो गया था और पानी चारों ओर फैल गया था। अब इस लिए नई बिल्डिंग काम शीघ्र चालू होगा ।

श्रमिक बस्तियों के बच्चों को कॉपी-पेन स्टेशनरी वितरित की

इन्दौर श्रमिक बस्तियों में रहने वाले नन्हें-मुन्नों बच्चों को अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महासभा युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय संगठन ने कॉपी-पेन सहित स्टेशनरी सामाग्री का वितरण किया। महासभा के लक्की राठौर के अनुसार नन्हें-मुन्नों के चेहरे पर मुस्कान बिखरने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। संगठन से जुड़े युवा श्रमिक बस्तियों में पहुंचे। उन्होंने बच्चों को स्टेशनरी सामाग्री का वितरण किया। सामाग्री वितरण में अमित सोनकर, अनिरूद्ध काटवा, तेजसिंह राठौर, प्रणय नगर, शशांक सहित संगठन से जुड़े अन्य लोग मौजूद थे।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हॉस्टल कैंपस, के छात्रों की एमपीपीएससी में सफलता

इंदौर (प्रदीप रावत सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता, संघर्ष ही सफलता का मूल मंत्र है. ऐसा ही कुछ कर दिखाया है अनुसूचित जाति एवं जनजाति हॉस्टल के छात्रोंने जिन्होंने अपनी मेहनत के बल पर क्षेत्रीय युवा फॉरेस्ट रेंजर अधिकारी के पद पर चयनित होकर सफलता की एक नई इबारत लिखी है। भंवरकुआ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हॉस्टल कैंपस के छात्रों ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फॉरेस्ट रेंजर अधिकारी के पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

चयनित छात्रों में विजय करंजिया, पुत्र श्री कमल सिंह करंजिया, ग्राम जमोड़ी, जिला देवास से हैं। विजय एक गरीब किसान मजदूर परिवार से ताल्लुक रखते हैं और अपनी मेहनत और लगन से यह सफलता अर्जित की है। वालसिंह कनेश, ग्राम बिलझरी, तहसील सोंडवा, जिला अलीराजपुर से हैं। वालसिंह ने अलीराजपुर, जो कि प्रदेश का सबसे अशिक्षित क्षेत्र माना जाता है, से आकर इस मुकाम को हासिल कर प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पवन राणे, पुत्र श्री पंढरी राणे, ग्राम बेसरकुंड, तहसील कसरावद, जिला खरगोन से हैं। पवन ने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत और समर्पण से यह सफलता पाई है साथ ही अभिषेक सोलंकी धार जिले की कुक्षी तहसील के ग्राम पाडल्या (पोस्ट बाग) के रहने वाले है।

अभिषेक ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार के सहयोग और इंदौर स्थित आदिवासी हॉस्टल कैंपस को दिया है। उनका यह प्रयास यह दर्शाता है कि कठिन परिश्रम और समर्पण से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।इन युवाओं की सफलता यह सिद्ध करती है कि समर्पण और लगन से कोई भी बाधा पार की जा सकती है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवारों बल्कि उनके क्षेत्रों के लिए भी गर्व का विषय है। हॉस्टल प्रशासन, प्रशिक्षकों, और साथी छात्रों ने इन चयनित छात्रों को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अशोक नगर में सरकारी गार्डन पर कब्जा, पेड़ काटे गए

इन्दौर। अशोक नगर के कॉलोनी नगर स्थित वार्ड नंबर 14, जोन 16 में एक सरकारी गार्डन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है। गार्डन के गेट पर ताला लगा दिया गया है और चौकीदार किसी को अंदर जाने नहीं दे रहे है सुबह से शाम तक गार्डन बंद रहने के कारण बच्चे खेल नहीं पा रहे हैं और अन्य गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि आज गार्डन में 20 साल पुराने 5 पेड़ काटे गए हैं। इससे गार्डन की हरियाली को नुकसान पहुंचा है। पेड़ काटने वालों में गोपाल सोनी और राजेश हाडा का नाम सामने आया है। इन दोनों ने कल दोपहर को पेड़ कटवाए थे। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने थाने, वन विभाग और निगम आयुक्त को लिखित शिकायत दी है। क्षेत्र के विधायक कैलाश जी विजयवर्गी को भी इस बारे में जानकारी दी गई है। हालांकि, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।लोगों की मांग है स्थानीय लोग चाहते हैं कि निगम इस गार्डन को अपने अधिकार में ले और कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करे। साथ ही, काटे गए पेड़ों की जगह नए पेड़ लगाए जाएं। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे शहर के हरे-भरे क्षेत्रों पर बढ़ते खतरे को दर्शाती है। सरकारी संपत्ति पर कब्जा करना और पेड़ काटना एक गंभीर अपराध है। इस घटना से यह भी पता चलता है कि स्थानीय प्रशासन इस तरह की घटनाओं को रोकने में नाकाम रहा है।

महू-बांद्रा स्पेशल के फेरे बढ़ाए चलेंगी 29 तक

इन्दौर पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा सप्ताह में दो दिन महू-बांद्रा के बीच संचालित हो रही स्पेशल ट्रेन के फेरे यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते बढ़ाए हैं। पहले यह ट्रेन 1 जनवरी तक चलाई गई थी लेकिन अब इसे 30 जनवरी तक चलाया जायेगा। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार महू-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन (09302) प्रति बुधवार और शनिवार 29 जनवरी तक और बांद्रा टर्मिनस-महू स्पेशल (09301) प्रति गुरुवार और रविवार को 30 जनवरी तक चलेगी। ट्रेन के आने-जाने के समय, ठहराव और कोच कंपोजिशन आदि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। महू-बांद्रा स्पेशल ट्रेन हर बुधवार और शनिवार को महू से रात नौ बजे चलकर रात 9.30 बजे इंदौर आती है और 9.40 बजे इंदौर से चलकर अगले दिन दोपहर 12.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचती है। वापसी में बांद्रा टर्मिनस- महू स्पेशल ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से हर गुरुवार और रविवार दोपहर 3.45 बजे चलकर अगले दिन सुबह 6.50 बजे इंदौर होते हुए सुबह 7.30 बजे महू पहुंचती है

प्रभातफेरियों का आयोजन और स्वागत

इन्दौर शहर के 32 गुरुद्वारों द्वारा दशमेश गुरु गोविंद सिंहजी के प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रभातफेरियों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं संगत गुरु गोबिंद सिंघजी की वाणी का गायन कर रही है। सिख समाज के रतनजीत सिंघ शैरी ने बताया कि कल गुरुद्वारा गुरु हर राय साहबजी न्यू रानीबाग में भी भव्य प्रभातफेरी निकाली गई। जिसमें समाजजन निशान साहब के साथ कीर्तन करते हुए शामिल हुए। सम्पूर्ण प्रभातफेरी मार्ग पर समाजजनों और अन्य नागरिकों ने प्रभातफेरी का उत्साह से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

संगिनी स्मार्ट केन दृष्टिबाधितों को खतरा होने पर सतर्क करेंगी

लुई ब्रेल के जन्मदिवस पर 5 स्मार्ट केन वितरित की गई

इन्दौर। समाज की समस्याओं को समझना और उसके निराकरण के लिए प्रयास करना, केवल इंजीनियरों का कार्य न होकर, समाज के हित में सोचने वाले सभी लोगों का कार्य है। लुई ब्रेल ने देखने , सुनने व बोलने की क्षमता न होते हुए भी ब्रेल लिपि का आविष्कार कर, दृष्टिबाधितों पर बड़ा उपकार किया है ।

उक्त बातें विभिन्न वक्ताओं ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड परिसर में, लुई ब्रेल के जन्म दिवस पर आयोजित ÷संगिनी स्मार्ट केंन ÷ वितरण समारोह में कहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसजीएस आईटीएस के निदेशक प्रो नितेश पुरोहित ने कहा कि थोड़े-थोड़े प्रयोगों से अच्छे नतीजे निकल सकते हैं। एसजीएसआईटीएस के शिक्षक, प्रोफेसर और विद्यार्थी मिलकर दिव्यांग क्षेत्र के लोगों के लिए क्या बेहतर कर सकते हैं, इसकी योजना बनाकर सकारात्मक प्रयास करेंगे। आर आर केट के सेवानिवृत वैज्ञानिक संजय खेर ने कहा कि लुई ब्रेल आंखों से देख नहीं सकती थी एवं बोलने व सुनने की क्षमता न होते हुए भी ,उन्होंने दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का आविष्कार कर सारी दुनिया के दृष्टिबाधितों के लिए राह दिखलाने का कार्य किया है, हम उनसे प्रेरणा लेकर समाज के लिए कार्य करें । कार्यक्रम में के प्रो डॉ अपूर्व गलवाक व सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम माहेश्वरी ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर पांच दृष्टि बाधित विद्यार्थियों को संगिनी नामक स्मार्ट केन ÷ बांटी गई, जिसके सहयोग से दृष्टि बाधित दिव्यांगों को सामने, किसी तरह की बाधा ,दीवार, वाहन आदि आने पर अलार्म बजाकर सूचित करने की सुविधा है। कार्यक्रम का संचालन शफी शेख ने तथा अंत में संजय लोखंडे ने आभार व्यक्त किया।

डिजिटल जाल में फंसे भारत के लोग: हर पांच मिनट में एक साइबर अपराध

डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर अपराध: पीआईएमआर ने शुरू किया बचाव का मिशन

इंदौर भारत में साइबर अपराधों ने डिजिटल सुरक्षा को गंभीर चुनौती दी है, जहां साल 2024 की पहली छमाही में ही ?11,000 करोड़ से अधिक की धनराशि साइबर धोखाधड़ी में गवां दी गई। इन खतरनाक आंकड़ों और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे नए तरह के घोटालों से निपटने के लिए प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर) की महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ भूमिका ने छात्रों और समाज को जागरूक करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित किया। सत्र को संबोधित करते हुए इंदौर के अतिरिक्त डीसीपी (अपराध) राजेश डंडोतिया ने बताया कि भारत में हर पांच मिनट में एक साइबर अपराध दर्ज होता है। उन्होंने कहा, ÷दुर्भाग्यवश, कई पीड़ित, जिनमें उच्च शिक्षित पेशेवर भी शामिल हैं, शर्मिंदगी और सामाजिक कलंक के डर से पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करते। इस वजह से सैकड़ों मामले और करोड़ों रुपये के नुकसान की रिपोर्ट नहीं हो पाती है, जिससे धोखेबाजों के हौसले बढ़ते हैं। डंडोतिया ने तुरंत शिकायत दर्ज करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा करने से पीड़ितों के खातों को तुरंत फ्रीज किया जा सकता है और धन की वसूली की संभावना बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को अनजान कॉल का जवाब देने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और डिजिटल सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी।

एआई और साइबर अपराधों का खतरनाक गठजोड़

डंडोतिया ने सत्र के दौरान बताया कि एआई की मदद से साइबर अपराधों में बड़ा उछाल देखा गया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (IyC) के आंकड़ों के अनुसार, देश में हर दिन ?60 करोड़ की धनराशि साइबर धोखाधड़ी में गवांई जा रही है। ÷डिजिटल गिरफ्तारी÷ घोटाले में ही ?120.3 करोड़ का नुकसान दर्ज किया गया है। प्रतिदिन 6,000 से अधिक शिकायतें राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर दर्ज की जाती हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि असली संख्या इससे कहीं अधिक है।

पीआईएमआर का डिजिटल सुरक्षा में योगदान

सत्र के दौरान, पीआईएमआर ग्रुप डायरेक्टर, डॉ. एस. एस. भाकर ने भूमिका प्रकोष्ठ की सराहना करते हुए कहा, साइबर अपराध केवल वित्तीय नुकसान नहीं पहुंचाते, वे तकनीक और संस्थानों में जनता के भरोसे को भी कमजोर करते हैं। ऐसे जागरूकता सत्र डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के लिए बेहद जरूरी हैं।

जय राजपूताना संघ का राष्ट्र निर्माण हेतु महासमर भूमि शिविर आयोजित

इन्दौर राजस्थान से आए राजपूताना संघ के संस्थापक विश्वनाथ प्रताप सिंह रेटा के मार्गदर्शन में श्री राजपूत धर्मशाला ग्राम बुङ्गनिया में महासमर भूमि शिविर जय राजपूताना संघ इंदौर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। राजपूताना संघ के इस पांच दिवसीय शिविर में राष्ट्र निर्माण के लिए बालकों एवं युवाओं को अनुशासन, संस्कार के साथ लाठी चलाना, व्यायाम, तलवारबाजी, तीरंदाजी और साफा बांधने के अलावा अन्य क्षत्रिय संस्कार सिखाएं जा रहे हैं। शिविर में शिविरार्थियों को संबोधित करते विश्वनाथ सिंह ने कहा कि अनुशासन पूर्ण जीवन जीने, स्वयं का व्यक्तित्व निर्माण करने, राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना ही क्षत्रिय धर्म है। शिविर में 800 से अधिक बालक व युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं।

रवि चौकसे कोषाध्यक्ष मनोनीत

इन्दौर संस्थापक अध्यक्ष, एडवोकेट ओमप्रकाश जायसवाल इंदौर की अध्यक्षता में व रामशंकर जायसवाल उज्जैन और राकेश जायसवाल नागपुर की उपस्थिति में राष्ट्रीय सहस्त्रार्जुन अधिवक्ता संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें इन्दौर के रवि चौकसे को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट शैलेश जायसवाल की अनुशंसा पर रवि चौकसे इन्दौर को कोषाध्यक्ष के साथ ही राजकुमार आर्य बैतूल, कैलाश चौधरी मनासा व जयनारायण शिवहरे ग्वालियर को उपाध्यक्ष, राघव जायसवाल को सचिव, नवीन जायसवाल उज्जैन को सह सचिव, महेंद्र जायसवाल बागली को सह कोषाध्यक्ष, सहज चौधरी को प्रमुख प्रचार मंत्री एवं हर्ष जायसवाल को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

कार्टून डोना

11 से 25 जनवरी तक चलेगा भाजपा का संविधान गौरव अभियान

रतलाम। भारतीय जनता पार्टी संविधान की 75वीं गौरवशाली यात्रा के अवसर पर 11 से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान चलायेगी। इसके तहत् विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार इन आयोजनों हेतु जिला टोली का गठन कर दिया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अरूण त्रिपाठी ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व मे संसद मे भारतीय संविधान की 75वीं गौरवशाली यात्रा पर व्यापक चर्चा हुई। मोदी जी ने इसमें कहा कि हमारा संविधान हमारे वर्तमान एवं हमारी भविष्य का मार्गदर्शक है। मोदी जी की भावना अनुसार भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा के निर्देश पर 11 से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान चलाया जायेगा। इसमें जिला मुख्यालय पर गोष्ठी का आयोजन होगा। स्कूल , कॉलेज मे हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान विषय पर निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिता होगी। 25 जनवरी को सभी मंडलों मे कार्यक्रम होगे। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने जिले मे इन आयोजनों हेतु जिला महामंत्री निर्मल कटारिया के नेतृत्व में जिला टोली गठित की है। जिसमे श्री कटारिया संयोजक, महेश सोनी, शैलेन्द्र सिंह सिसोदिया एवं ओमप्रकाश बोरिया सहसंयोजक के रूप मे शामिल किए गए है। संविधान गौरव अभियान मे सभी भाजपा कार्यकर्ता सहभागिता करेगे।

मध्यप्रदेश के चार से पांच लाख लोक सेवक पदोन्नति से वंचित

रतलाम। देश का एकमात्र राज्य मध्यप्रदेश है जहां लगभग साठ से अधिक विभाग अन्तर्गत कार्यरत लोक सेवक पात्रता और अर्हता के पश्चात पदोन्नत नहीं किए गए जबकि प्रतिमाह मध्यप्रदेश शासन के एक हजार से अधिक लोक सेवक सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वर्ष 2016 में उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संगठन की याचिका दायर पर सुनवाई कर आदेश पारित कर, कहा कि शासकीय सेवा में नौकरी में आरक्षण मिलेगा उसके बाद पदोन्नति में आरक्षण समाप्त कर दिया। इस पर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में उच्च न्यायालय जबलपुर के पारित आदेश को चुनौती दी उसे सुप्रीम कोर्ट में आदेश पर रोक लगाई जाए, परन्तु सुप्रीम कोर्ट ने पदोन्नत पर रोक लगाई जाए ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किए। फिर भी मध्यप्रदेश के चार से पांच लाख लोक सेवक पदोन्नति से वंचित क्यों है? माननीय उच्च न्यायालय और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के बीच गेहू की तरह पीस रहा है मध्यप्रदेश का लोक सेवक। इसका दोषी कौन है? पदोन्नति से दोनों संवर्गीय कर्मचारियों को पदोन्नत नहीं किए जाने से आरक्षित वर्ग और आनारक्षित वर्ग दोनों को नुकसान हो रहा है। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ रतलाम के अध्यक्ष सर्वेश कुमार माथुर, जितेन्द्र सिंह चौहान, देवराज गहलौत, दिलीप कुमार पोरवाल रमेशचन्द्र परमार कोमल बोरीवाल आनन्दीलाल गांधी देवराज गहलोत ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन भोपाल को पत्र लिखकर शीघ्र पदोन्नति पर लगी रोक हटाकर पदोन्नति शीघ्र बहाल किए जाने की मांग की है।

शस्त्र कला शिविर का हुआ शुभारंभ

रतलाम। संकट काल में खुद की सुरक्षा बिना आत्मविश्वास के नहीं की जा सकती। आत्मरक्षा के सभी उपायों के प्रभावी ढंग से इस्तेमाल के लिए आत्मविश्वास सबसे जरूरी है। बेटियां और महिलाएं अगर छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करने की बजाय आत्मविश्वास से प्रतिकार करना सीख लें तो कई समस्याओं का समाधान आसानी से हो जाएगा। उक्त बात जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने सृष्टि समाज सेवा समिति द्वारा बेटियों एवं महिलाओं के लिए शस्त्र कला शिविर शुभारंभ अवसर पर कही। संस्था अध्यक्ष सतीश टाक ने बताया कि बेटियों को मजबूत, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शस्त्र कला प्रशिक्षण जिसमें लाठी ढाल तलवार भाला, त्रिशूल सहित अन्य प्रशिक्षण दिया जाएगा जो महिलाओं में आत्म विश्वास को बढ़ाएगा। महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह शिविर शुरू किया गया है। जिसमें मुख्य प्रशिक्षक सत्यनारायण शर्मा (सत्तू पहलवान) प्रशिक्षक नरेंद्र सिंह चौहान रहेंगे। लिए शस्त्र कला शिविर शुभारंभ अवसर पर कही। प्रशिक्षक घनश्याम परमार ने युवतियों महिलाओं को लाठी से अटैक और डिफेंस आदि के तरीकों का प्रदर्शन कर काबू पाने के गुर सिखाए। इसके अलावा लाठी के वार से बचने का तरीका भी समझाया। सहायक प्रशिक्षक एवं कार्यक्रम संचालक संस्था सदस्य काजल टाक ने बताया कि प्रतिदिन शाम 4 से 6 बजे तक तेजाजी महाराज मंदिर प्रांगण डोंगरे नगर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आत्मरक्षा की कभी भी जरूरत पड़ सकती है। जिससे निडर होकर बेटियां कहीं भी जा सकती हूं। अराजकतत्वों को कैसे सबक सिखाना है इसका प्रशिक्षण सभी को लेना चाहिए इस अवसर पर निलेश पंवार (काना), समाजसेवी नवांकुर संस्था प्रतिनिधि नरेंद्र श्रेष्ठ, परामर्शदाता मेघा श्रोत्रिय,हरीश सिलावट नगर विकास प्रस्फुटन समिति के सामाजिक कार्यकर्ता एवं नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

स्वच्छता जागरूकता हेतु महापौर प्रहलाद पटेल ने ली मुस्लिम समाजनों की बैठक

रतलाम। शहर को स्वच्छ बनाने हेतु महापौर प्रहलाद पटेल द्वारा निरंतर कदम उठाये जा रहे है जिसके तहत उन्होने मुस्लिम समाज बुद्धिजीवी वर्ग, मस्जिद इमाम और समाजसेवी वर्ग की स्वच्छता जागरूकता बैठक नाहरपुरा स्थित गांधी उर्दू मेमोरियल स्कूल में ली। महापौर प्रहलाद पटेल ने इस अवसर पर कहा कि रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने में सभी की भागीदारी आवश्यक है इस हेतु आप समाजजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें साथ ही मस्जिदों से स्वच्छता जागरूकता संदेशों को प्रसारित कर रतलाम नगर को स्वच्छता में नम्बर 1 बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। शहर काजी अहमद अली की उपस्थिति में आयोजित बैठक में महापौर प्रहलाद पटेल को विश्वास दिलाया कि रतलाम नगर को पूर्णतः स्वच्छ बनाने के इस महत्वपूर्ण कार्य में हम आपके साथ हैं साथ ही मस्जिदों से स्वच्छता जागरूकता संदेश प्रसारित किया जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर अंजुमन सदर इब्राहिम शैरानी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मंसूर जमादार, जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष बबलू पटेल, पार्षद शबाना खान, नासिर कुरेशी, सलीम बागवान, वसीम अली, पूर्व पार्षद सलीम मेव, सलीम कुरैशी, इसरार रहमानी, शेरू पठान रईस कुरेशी, वाजिद खान, तनवीर कुरेशी, आसिफ अंसारी, साजिद अंसारी, जाकिर शाह, अख्तर शाह, जाकिर हुसैन, इमरान रहमानी, सलामत शाह, सरफराज शाह, सरफराज खान, अनीस शेरानी, रशीद खान एवं अंजुमन कमेटी, गांधी स्कूल कमेटी अल्पसंख्यक मोर्चा सहित विभिन्न मुस्लिम समाज के अध्यक्ष एवं मस्जिदो के सदर उपस्थित थे।

धरती हमारी माँ है इसे हमें स्वच्छ रखना होगा : महापौर प्रहलाद पटेल

स्वच्छता जागरूकता रैली ने दिया स्वच्छता का संदेश, नगर के विभिन्न मार्गो से निकली विशाल स्वच्छता जागरूकता रैली

रतलाम।

नगर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में नम्बर 1 बनाने हेतु नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूता लाये जाने के लिए नगर निगम द्वारा द्वारा आयोजित स्वच्छता जागरूकता रैली को महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विप्लव जैन, मनोहर पोरवाल, नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया, कलेक्टर राजेश बाथम, पुलिस अधीक्षक अमीत कुमार, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, एसडीएम अनिल भाना, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति प्रभारी विशाल शर्मा, महापौर परिषद सदस्य, पार्षदगण आदि ने अलकापुरी भारत माता उद्यान में भारत माता की मूर्ति पर माल्यार्पण किया तत्पष्चात् स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रतलाम नगर में स्वच्छता जागरूकता संदेश प्रसारित करने हेतु रवाना किया।

स्वच्छता जागरूकता रैली में आगे-आगे प्रचार रथ चल रहा था जो स्वच्छता जागरूकता संदेश प्रसारित कर रहा था वहीं दूसरे वाहन में धारती मां की झांकी सजाई गई जिसमें दिखाया गया कि हम किस प्रकार से धरती माँ को प्रदूषित कर रहे है। रैली के साथ महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विप्लव जैन, नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया, कलेक्टर राजेश बाथम, पुलिस अधीक्षक अमीत कुमार, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, एसडीएम अनिल भाना, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति प्रभारी विशाल शर्मा, महापौर परिषद सदस्य, पार्षदगण, निगम अधिकारी एवं कर्मचारी पैदल चलकर नागरिकों से स्वच्छता बनाये रखने की अपील कर रहे थे। स्वच्छता जागरूकता रैली का नगर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया तथा नागरिकों ने रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने हेतु महापौर प्रहलाद पटेल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने का निश्चय लिया। महापौर प्रहलाद पटेल ने शहीद चौक पर श्रृद्धा सुमन अर्पित कर अमर शहीदों को याद किया। रैली सैलाना बस स्टैण्ड, गायत्री टॉकिज, शहीद चौक, आबकारी चौराहा, लौहार रोड, हरदेव लाला की पीपली, तोपखाना, चांदनी चौक, चौमुखी पुल, गणेश देवरी, डालू मोदी बाजार होते हुए रानीजी के मंदिर पंहुची जहां रैली का समापन किया गया।

महापौर प्रहलाद पटेल ने रैली समापन अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि धरती हम सबकी माँ है तथा हमें जीने के लिये हमें अनगिनत उपहार देती है किन्तु आज हम अपनी माँ को कई प्रकार से प्रदूषित कर रहें हैं। उन्होने कहा कि हम अपनी माँ को गंदा नहीं होने देंगे इसलिये सभी नागरिक अपने घर व दुकानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरा का स्त्रोत पर ही पृथक्कीकरण नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही डालेंगे। इस अवसर प्रहलाद पटेल ने सभी को शपथ दिलाई कि हम अपनी धरती माँ को गंदा नहीं होने देंगे, इसे कचरा मुक्त रखेंगे, पॉलीथीन व डिस्पोजल का उपयोग नहीं करेंगे। निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने हेतु रैली के माध्यम से जागरूक किया है, इस जागरूकता को बनाये रखें व रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करें।

नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया ने कहा कि रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने हेतु नगर निगम तो अपना कार्य कर ही रही है आप सभी का भी दायित्व है कि कचरे को खुले में ना डालते हुए कचरा पात्र में एकत्रित कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें। मंडल अध्यक्ष निलेश गांधी ने इस अवसर पर कहा कि रतलाम नगर का प्रत्येक नागरिक नगर को स्वच्छ बनाने हेतु आगे आयेगा तो रतलाम को स्वच्छता में नम्बर 1 बनाने से कोई नहीं रोक सकता। निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट ने कहा कि रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने हेतु नागरिको को बस इतना करना है कि कचरे को खुले में तथा यहां वहां ना डालते हुए निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें, पॉलीथीन व डिस्पोजल का उपयोग ना करें, खरीददारी करते समय कपड़े की थैली साथ में लाना अपनी आदत में शामिल करें। स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति प्रभारी विशाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि इस रैली के माध्यम से हमने अपने संसाधन आपको बताये हैं फिर भी हम स्वच्छता में नम्बर 1 नहीं आ पा रहे है बस स्वच्छता के इस कार्य में आपके सहयोग की अपेक्षा है।

इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य श्रीमती अनिता कटारा, दिलीप गांधी, धर्मेन्द्र व्यास, अक्षय संघवी, मनोहरलाल राजू सोनी, रामुभाई डाबी, श्रीमती सपना त्रिपाठी, पार्षद परमानन्द योगी, रणजीत टांक, योगेश पापटवाल, धर्मेन्द्र रांका, करण कैथवास, श्रीमती निशा सोमानी, श्रीमती प्रीति कसेरा, श्रीमती शबाना, सलीम बागवान, वसीम अली के अलावा प्रवीण सोनी, अनुज शर्मा, पवन सोमानी, गौरव त्रिपाठी, हार्दिक मेहता, जयेश वसावा, विजयसिंह चौहान, शेरू पठान, राजेश माहेश्वरी, राजेन्द्र चौहान, संजय कसेरा, राकेश मिश्रा, विवेक शर्मा, नन्दकिशोर पवांर सहित निगम अधिकारी, कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित थे।

चार्जिंग के दौरान रात में ई-स्कूटर में लगी आग, 11 साल की बालिका की मौत

रतलाम। लक्ष्मणपुर पीएनटी कॉलोनी स्थित शनिवार-रविवार दरमियानी रात एक मकान में चार्जिंग के लिए रखी गई ई स्कूटर में आग लग गई। आग से पास में खड़ी एक्टिवा भी चपेट में आ गई और हादसे में एक 11 साल बालिका की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार पीएनटी कॉलोनी निवासी दीपक किराना के पास रहने वाले भगवती मौर्य व परिजन शनिवार रात को टुनवाल कंपनी का ई स्कूटर चार्जिंग पर लगा कर सो गए थे। रात में चार्जिंग पूरी होने के बाद इसमें से चिंगारियां निकलने लगी, इससे पास में खड़ी एक्टिवा भी चपेट में आ गई। आग लगने के दौरान घर में सभी सदस्य सो रहे थे। धुंआ होने पर उनकी नींद खुली तो उन्होंने मदद के लिए शोर मचाया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने शुरू कर फायर ब्रिगेड को सूचना दी और घर के सदस्यों को जैसे तैसे बाहर निकाला, लेकिन 11 साल बच्ची अंतरा चौधरी अंदर ही रह गई। थोड़ी देर बाद बच्ची को भी निकाल कर बाहर लाया गया लेकिन तब तक वह झुलस गई थी। मेडिकल कॉलेज ले जाने के दौरान बालिका की मौत हो गई। अंतरा अपनी मां सोनाली के साथ नाना भगवती मौर्य के घर आई थी। उन्हें रविवार सुबह ही वापस बड़ोदरा गुजरात जाना था। हादसे में घायल भगवती मौर्य और 12 वर्षीय लावण्या को मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का नागरिक लाभ लेवें

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार और राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं एवं शासकीय कार्यालय में नागरिक सेवाओं के प्रदाय से संबंधित लंबित आवेदन, आवेदनों का निराकरण में शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान' के तहत कार्यालयीन समय में वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। महापौर प्रहलाद पटेल ने बताया कि 9 जनवरी 2025 तक चलाये जाने वाले मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान' के 6 जनवरी को वार्ड क्रमांक 43 मेवाड़ साथ धर्मशाला व वार्ड क्रमांक 44 बोहरा बाखल तयबीया स्कूल, 7 जनवरी को वार्ड क्रमांक 45 गौशाला बगीचे के पास शासकीय स्कूल व वार्ड क्रमांक 46 आईएमए हॉल गौशाला रोड, 8 जनवरी को वार्ड क्रमांक 47 विनोबा स्कूल के पीछे मुस्लिम समाज का भवन मदरसा व वार्ड क्रमांक 48 जैन कन्या स्कूल, 9 जनवरी को वार्ड क्रमांक 49 चार भुजा मंदिर के सामने धर्मशाला ब्राम्हण वास में कार्यालयीन समय में शिविर का आयोजन किया गया है। आयोजित शिविरों में भारत सरकार व राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को दिलाया जायेगा। योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र हितग्राही वंचित ना रहे इस हेतु चिन्हित योजनाओं के अन्तर्गत प्रदत्त लाभों का सत्यापन किया जावेगा एवं लाभ से वंचित हितग्राही की पहचान की जावेगी एवं लाभ से वंचित हितग्राही का उसी समय योजना से संबंधित आवेदन भरवाया जावे जाकर आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराकर आवेदन के साथ संलग्न किये जावेंगे।

पशु काटकर बटवारा करने पर पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा

रतलाम। जिले के बाजना थाना अंतर्गत पुलिस ने पशु काटकर बटवारा करने वालो पर दबिश दी है। दबिश में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जबकि सात आरोपी बटवारा लेकर फरार हो गए। पुलिस ने पशु परिरक्षण अधिनियम तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाजना थाना क्षैत्र पुलिस को दो दिन पूर्व मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की लालपुरा जंगल में कुछ लोग अवैध रूप से पशु का मांस काट कर बंटवारा कर रहे है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं एसडीओपी सैलाना नीलम बघेल के मार्गदर्शन में थाना बाजना पुलिस की टीम मौके पर जाकर जांच करने पर 7-8 लोग मिलकर पशु मांस का बंटवारा कर रहे थे। जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस द्वारा घेराबंदी कर एक आरोपी तोलिया पिता धनजी निनामा उम्र 45 वर्ष निवासी लालपुरा को पकड़ा।

पुलिस टीम द्वारा पूछताछ में तोलिया निनामा ने स्वीकार किया कि 7 अन्य लोगों के साथ मिलकर पशु (पाडा) खरीदकर लाकर अवैध रूप से काटकर आपस में बटवारा कर ले जा रहे थे। 07 अन्य लोग अपना हिस्सा लेकर फरार हो गए। थाना बाजना पुलिस द्वारा घटना पर अपराध क्रमांक 06/25 म प्र कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम धारा 8,11 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

गिरफ्तार आरोपी : तोलिया पिता धनजी निनामा उम्र 45 वर्ष निवासी लालपुरा

फरार आरोपी : टीटा उर्फ गौतम पिता जीवन लाल निनामा, फनिया पिता बाग जी डामर निवासी लालपुरा, प्रभु पिता कांजी दामा निवासी लालपुरा, रमेश पिता कांजी दामा निवासी लालपुरा, कालू पिता धनजी निनामा निवासी लालपुरा, पंकज पिता बाग जी निनामा निवासी लालपुरा, मान सिंह पिता पूंजा भाभर निवासी लालपुरा दबिश के दौरान आरोपी को गिरफ्तार करने में निरीक्षक प्रेमलता खत्री थाना प्रभारी बाजना, प्र आर 566 जीवन, आर 1165 दरबार जमरा, आर 1140 कमलेश, आर

सर्व ब्राह्मण महासभा की युवक - युवती परिचय पत्रिका का विमोचन

रतलाम। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आज अमृत सागर रोड़ स्थित श्री हनुमान बाग पर एक गरिमामय भव्य आयोजन में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय पत्रिका जीवन संबंध का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान श्री परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। इसके पश्चात सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा मंचासीन अतिथियों प्रमोद व्यास समाजसेवी, प्रदीप उपाध्याय जिलाध्यक्ष, गुलजारीलाल त्रिवेदी, अचल शुक्ला जनरल मैनेजर इप्का, श्रीमती मनीषा शर्मा नगर निगम अध्यक्ष, श्रीमती डॉ. गीता दुबे, राजेश दवे, श्रीमती प्रेमलता दवे, विशाल शर्मा का स्वागत सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष नरेन्द्र जोशी, संरक्षक शांतिलाल शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी, महिला मंडल अध्यक्ष सुनिता पाठक, विजय शर्मा एवं पदाधिकारी तथा सदस्यो द्वारा किया गया।

रतलाम की बिटिया ईशिता ने वडोदरा में प्राप्त किया तीन गोल्ड मेडल

रतलाम। नगर की होनहार छात्रा कु. ईशिता सक्सेना ने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय वडोदरा (गुजरात) से दो वर्षीय एमएससी एप्लाइड केमिस्ट्री कोर्स में तीन गोल्ड मेडल प्राप्त कर रतलाम का नाम रोशन किया।

श्रीमती अर्चना सक्सेना (प्राध्यापक आर्ट एंड साईंड कॉलेज) ने बताया कि उनकी भतीजी ईशिता सक्सेना के पिता मनीष सक्सेना आदिम जाति कल्याण विभाग शिवगढ़ के कुआझागर में माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक है तथा माता नीना सक्सेना रतलाम के गुजराती समाज में बाल मंदिर में शिक्षिका है। इस अवसर पर कान्वेंट स्कूल के स्टाफ तथा परिवार एवं इष्ट मित्रों, स्नेहीजनों हर्ष व्यक्त कर ईशिता को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विश्व हिंदू परिषद से ही हिंदू सुरक्षित : मुकेश मोलवा

जावरा शहर में विहिप व बजरंग दल ने निकाली शौर्य यात्रा, शौर्य यात्रा का नगर मे जगह-जगह हुआ स्वागत

जावरा। गाय हमारी माता है। इसकी रक्षा नहीं कर पाएंगे तो देश का उद्धार नहीं होगा। गाय है तो राष्ट्र है और राष्ट्र है तो हम हैं। गौ माता को बचाने का संकल्प लेते हुए गौशाला नहीं उपाय, हर हिन्दू के घर में हो गाय के मुख्य ध्येय को अपनाना होगा। हम सब को मिलकर सनातन धर्म का कार्य निष्ठापूर्वक करना है।

यह बात विश्व हिंदू परिषद ओर बजरंग दल द्वारा आयोजित शौर्य यात्रा को संबोधित करते हुए हिन्दू वक्ताओं ने रविवार को कही। स्थानीय कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित सभा में उपस्थित विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता मुकेश मौलवा एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज कश्यप शेरपुर ने कहा कि शौर्य यात्रा का उद्देश्य सेवा, सुरक्षा और संस्कार है। हमें सनातन धर्म को पुनः उदित करने हेतु कार्य करना है। अगली पीढ़ी को सनातनी बनाना है। उन्होंने कहा कि हिन्दू संगठनों ने ही सत्ता को हिंदु हित में निर्णय लेने का सामर्थ्य दिया है। जेहादियों के सपने में भी बजरंग दल का कार्यकर्ता आता है। इस दौरान वक्ताओं ने पुल बाजार स्थित श्री शंकर मंदिर प्रांगण में पूर्व में घटित मामले का उल्लेख

करते हुए कहा कि गौ माता की रक्षा के लिए ओर अधिक कड़े नियम बनाए जाने की आवश्यकता है।

हिंदुओं को मस्तक पर तिलक अवश्य लगाना चाहिए

कार्यकर्ताओं से उन्होंने आव्हान किया कि हिन्दू को मस्तिष्क पर तिलक लगाना चाहिए। उसकी भुजाओं पर जनेऊ होना चाहिए। वक्ताओं ने यह भी कहा कि हिन्दू कभी नहीं हारा तीर ओर तलवारों से, वह हारा है गद्दारों से। अब हिन्दू को हिन्दू से जोड़ने का समय आ गया है। इस अवसर पर देश का बल बजरंग दल, हर समस्या का हल बजरंग दल, अयोध्या तो झांकी है काशी मथुरा और भोजशाला बाकी है, के नारे भी सुनाई दिए।

राम दरबार के चित्र पर माल्यापर्ण के साथ हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने भारत माता और श्री राम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण किया। इससे पहले ओम अंकित भगवा ध्वज फहराया गया। सभी बजरंगियों ने ध्वज को प्रणाम किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, वन्दे मातरम के नारे लगाए। तत्पश्चात

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने केसरिया दुपट्टे पहना कर अतिथियों का स्वागत किया।

इन मार्गो से निकली शौर्य यात्रा

दोपहर में मंडी परिसर से शौर्य यात्रा प्रारंभ होकर गीता भवन, गोवर्धननाथ मंदिर चौराहा, शुक्रवारिया, पिपली बाजार, जवाहरपेठ, चूड़ी बाजार, बजाज खाना, घंटाघर, कमानी गेट, नीमचौक, लक्ष्मीबाई रोड, स्टेशन रोड, रेलवे फाटक चौराहा, थाना रोड, गौशाला रोड, रतलामी गेट, नीम चौक, आजाद चौक, सोमवारिया, रावण दरवाजा होते हुए पुनः मंडी प्रांगण पहुंचकर समाप्त हुई। शौर्य यात्रा का नगर में जगह जगह पुष्पवर्षा कर हिंदू समाज ने जोरदार स्वागत किया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में रतलाम विभाग संगठन मंत्री अर्जुन गहलोत, अध्यक्ष श्रीपाल दसेड़ा, जिला मंत्री तूफान सिंह यादव, जिला संयोजक आशीष, प्रखण्ड अध्यक्ष पूर्णेन्दु जोशी, प्रखण्ड मंत्री हेमंत, प्रखण्ड संयोजक आदित्य एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला प्रखंड खंड एवं ग्राम समिति के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन गोल्डी सागर सोलंकी ने किया। आभार प्रखंड मंत्री हेमंत गवली ने माना।

भाजपा ने घंटाघर चौराहे पर किया स्वागत

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंगदल द्वारा रविवार को निकाली गई शोर्य यात्रा का भारतीय जनता पार्टी जावरा नगर मंडल द्वारा स्थानीय घंटाघर चौराहे पर आतिशबाजी व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश सोनी, नगर अध्यक्ष राजेश शर्मा, प्रांजल पाण्डेय, अभय कोठारी, वीरेन्द्रसिंह चौहान, संदीप रांका, सत्यनारायण पांचाल, मनीष ऊटवाल, अनिल मोदी, राजेश धाकड़, मोतीलाल यदुवंशी, कन्हैयालाल शर्मा, प्रतीक रावल, गौरव सोनी, रवि गुल्या, छोटी यादव, अनिल त्रिवेदी, नरेन्द्र राव, अंकित धाकड़, चंद्रप्रकाश सोलंकी, पिंटू सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

ब्रिज पर चायना डोर से कटा लुहारी का युवक, रतलाम रैफर

अरनीयापीथा से काम से लोटते समय अचानक से डोर आ गई सामने

जावरा। चायना डोर पर प्रतिबंध के बावजूद में शहर में कई स्थानों पर चायना डोर का विक्रय हो रहा हैं, चायना डोर से अब तक कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोग घायल हो गए हैं, ऐसी की एक घटना रविवार की शाम को घटित हुई जिसमें लेबड़ नयागांव फोरलेन पर जावरा से मंदसौर की और बने चुरुवाला ओव्हरब्रिज पर मोटर साईकल पर सवार एक युवक अचानक सामने आई चायना डोर से कट गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम रैफर किया गया।

रविवार की शाम लोकेश पिता कनीराम और बंकट पिता राधाकिशन परमार दोनो निवासी लुहारी अपनी मोटर साईकल से अरनीयापीथा मंडी से काम से अपने घर लोट रहे थे, मोटर साईकल बंकट चला रहा था। इसी बीच शाम करीब पौने 6 बजे वे फोरलेन स्थित चुरुवाला दालमिल पर पहुंचे और चौपाटी की ओर उतरते समय अचानक से पंतक का मांझा (चायना डोर) सामने आ गया। जिससे बंकट के गाल, आंख और ऊंगली बुरी तरह से कट गई, डोर के लगते ही बाईक असंतुलित होकर गिर पड़ी। साथी लोकेश ने बताया कि घायल बंकट को जावरा के सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन अधिक खुन बहने और कटने से उसे रतलाम रैफर कर दिया गया।

गुरुसप्तमी पर होंगे अनेक कार्यक्रम

जावरा। विश्व पूज्य गुरुदेव श्रीमद विजय राजेंद्रसूरिश्वरजी मसा की 198 वीं जन्म जयंती एवं 118 वीं स्वर्गारोहण तिथि गुरु सप्तमी पर राज राजेंद्र वाटिका पर साध्वी भगवंत श्री मयूरकला श्री जी की सुशिष्या साध्वी भगवंत श्री सुपार्श्व निधि जी ठाणा 4 की निश्रा में अनेक आयोजन होंगे। मिडिया प्रभारी अरविंद जैन एवम् अतुल सुराणा ने बताया की प्रातः गुरु मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की बीसवीं वर्षगांठ एवम ध्वजारोहण कार्यक्रम होगा, तत्पश्चात साध्वीजी के प्रवचन होंगे। दोपहर में गुरुपद महापूजन लाभार्थी अशोक कुमार माना बेन नवलकखा परिवार के सौजन्य से पढ़ाई जाएगी, पाठशाला

के बच्चो हेतु अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। रात्रि में संगीतमय गुरुभक्ति एवम गुरुदेव की आरती होगी, मुमुक्ष आदिश सुराणा का बहुमान भी किया जाएगा। वाटिका ट्रस्ट उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कोलन एवम सचिव सुरेश चोरड़िया ने सभी समाज जनों से सभी धार्मिक आयोजनों में शामिल होने का अनुरोध किया हैं।

रवि चौकसे कोषाध्यक्ष मनोनीत

इन्दौर संस्थापक अध्यक्ष, एडवोकेट ओमप्रकाश जायसवाल इंदौर की अध्यक्षता में व रामशंकर जायसवाल उज्जैन और राकेश जायसवाल नागपुर की उपस्थिति में राष्ट्रीय सहस्त्रार्जुन अधिवक्ता संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें इन्दौर के रवि चौकसे को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट शैलेश जायसवाल की अनुशंसा पर रवि चौकसे इन्दौर को कोषाध्यक्ष के साथ ही राजकुमार आर्य बैतूल, कैलाश चौधरी मनासा व जयनारायण शिवहरे ग्वालियर को उपाध्यक्ष, सहज चौधरी को प्रमुख प्रचार मंत्री एवं हर्ष जायसवाल को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर निकाली संध्या फेरी

जावरा। धन धन साहिबे कमाल दसवें बादशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज जी का 358 वा पावन प्रकाश पर्व पंजाबी समाज द्वारा हर्षोउल्लास के साथ मनाया जा रहा हैं। प्रकाश पर्व स्टेशन रोड़ स्थित श्री दुःख निवारण साहेब गुरुद्वारा पर मनाया जा रहा हैं, शनिवार से तीन दिवसीय अखण्ड पाठ प्रारंभ हुआ। पंजाबी समाज के देवेन्द्रसिंह गुर ने बताया कि रविवार की शाम को निशान साहेब की संध्या फैरी निकाली गई, जो शाम को गुरुद्वारा साहेब से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होकर पुनः गुरुद्वारा पहुंची। सोमवार को सुबह अखण्ड पाठ का समापन होगा। दोपहर 1 बजे लंगर प्रसादी का आयोजन होगा, रात में गुरुद्वारे पर आरती के साथ मंगल गीत गाए जांएगे और आतिशबाजी की जाएगी। की पूर्व संध्या पर गुरुद्वारा श्री दुःख निवारण साहिब जी से संध्या फेरी निकाली गई जो विभिन्न मार्गो से होती हुई गुरुद्वारा साहिब पहुंची।

लुई ब्रेल के जन्मदिवस पर 5 स्मार्ट केन वितरित की गई

इन्दौर। समाज की समस्याओं को समझना और उसके निराकरण के लिए प्रयास करना, केवल इंजीनियरों का कार्य न होकर, समाज के हित में सोचने वाले सभी लोगों का कार्य है। लुई ब्रेल ने देखने , सुनने व बोलने की क्षमता न होते हुए भी ब्रेल लिपि का आविष्कार कर, दृष्टिबाधितों पर बड़ा उपकार किया है । उक्त बातें विभिन्न वक्ताओं ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड परिसर में, लुई ब्रेल के जन्म दिवस पर आयोजित ÷संगिनी स्मार्ट केंन ÷ वितरण समारोह में कहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसजीएस आईटीएस के निदेशक प्रो नितेश पुरोहित ने कहा कि थोड़े-थोड़े प्रयोगों से अच्छे नतीजे निकल सकते हैं। एसजीएसआईटीएस के शिक्षक, प्रोफेसर और विद्यार्थी मिलकर दिव्यांग क्षेत्र के लोगों के लिए क्या बेहतर कर सकते हैं, इसकी योजना बनाकर सकारात्मक प्रयास करेंगे। आर आर केट के सेवानिवृत वैज्ञानिक संजय खेर ने कहा कि लुई ब्रेल आंखों से देख नहीं सकती थी एवं बोलने व सुनने की क्षमता न होते हुए भी ,उन्होंने दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का आविष्कार कर सारी दुनिया के दृष्टिबाधितों के लिए राह दिखलाने का कार्य किया है, हम उनसे प्रेरणा लेकर समाज के लिए कार्य करें । कार्यक्रम में के प्रो डॉ अपूर्व गलवाक व सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम माहेश्वरी ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर पांच दृष्टि बाधित विद्यार्थियों को संगिनी नामक स्मार्ट केन बांटी गई, जिसके सहयोग से दृष्टि बाधित दिव्यांगों को सामने, किसी तरह की बाधा ,दीवार, वाहन आदि आने पर अलार्म बजाकर सूचित करने की सुविधा है।

'ऋतिक रोशन ने फिटनेस जर्नी के लिए प्रेरित किया!'

बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 रिलीज के बाद से चर्चा में है, और शो की लीड अभिनेत्री श्रेया चौधरी पर सभी की नजरें टिकी हैं। श्रेया को उनके अभिनय के लिए खूब सराहना मिल रही है। एक समय था जब श्रेया अपने बढ़ते वजन और आत्म-संदेह से जूझ रही थीं। लेकिन उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट तब आया जब उन्होंने अपने आदर्श ऋतिक रोशन को उनकी फिटनेस यात्रा के बारे में खुलकर बात करते हुए देखा।श्रेया कहती हैं, मैं हमेशा से कमरे में सबसे मोटा बच्चा मानी जाती थी। ऐसा लगता था कि चाहे मैं कुछ भी कर लूं, वजन कम नहीं कर सकती। शायद मुझे मोटिवेशन की कमी थी। फिर मेरी जिंदगी में ऋतिक रोशन आए। एक फैन गर्ल के रूप में, उनकी फिटनेस जर्नी ने मुझे गहराई से प्रेरित किया। उन्होंने अपनी परेशानियों और उन पर काबू पाने की बात खुलकर की, और इससे मुझे एक दिन जीतने की प्रेरणा मिली। मैंने भी अपनी फिटनेस पर काम करने का निर्णय लिया।

महिलाओं की आवाज बुलंद करेगी वन मोर

अभिनेत्री और मानवाधिकार राजदूत शीना चौहान की फिल्म महिलाओं की सुरक्षा और भ्रूण हत्या के महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटती है, जो उसके साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है। मनोज पांड्या द्वारा निर्देशित वन मोर नामक इस शक्तिशाली फिल्म को प्रस्तुत करते हैं। फिल्म में, शीना ने एक चित्रकार की भूमिका निभाई है, जिसकी कला समाज में महिलाओं और लड़कियों के अनकहे संघर्षों को आवाज देने का एक माध्यम बन जाती है, जो एक बीच के बदलाव और अहसास से परिलक्षित होता है जो उसके पूरे जीवन को बदल देता है। यह कथा न केवल इन सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालती है, बल्कि सशक्तिकरण, शिक्षा और जागरूकता में निहित समाधानों पर भी प्रकाश डालती है। जब यह फिल्म मेरे पास आई तो मैं उत्साहित थी क्योंकि मुझे पता था कि अपने सभी चरित्र अनुसंधान को कहां से प्राप्त करना है-क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें मैंने इतने लंबे समय तक काम किया है- महिलाओं के अधिकार।

एनिमल को एंटी फेमिनिस्ट फिल्म नहीं मानती तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने साल 2023 में फिल्म एनिमल में जोया का रोल निभाया था, जिससे उन्हें बॉलीवुड में एक अलग पहचान मिली थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने बताया कि उन्होंने एनिमल फिल्म क्यों की, जिसे कुछ लोग एंटी फेमिनिस्ट फिल्म मानते हैं। जबकि इससे पहले उन्होंने मजबूत महिला के कई किरदार निभाए थे। फिल्मफेयर से बातचीत में तृप्ति डिमरी ने कहा, मैं एनिमल को एंटी फेमिनिस्ट फिल्म नहीं मानती। मैं फिल्मों को इस तरह के टैग नहीं देती। जब मैंने बुलबुल और कला फिल्में की थीं, तो मैंने नहीं सोचा कि मैं फेमिनिस्ट फिल्म कर रही हूं। मैं सिर्फ किरदारों से जुड़ी और निर्देशकों पर विश्वास किया और मुझे लगा कि यह करना सही है। तृप्ति ने कहा, 'जब एनिमल मुझे ऑफर हुई, तो मैंने संदीप सर से मिलकर कहानी के बारे में ज्यादा नहीं सुना। लेकिन उन्होंने मेरे किरदार के बारे में बताया। मेरे लिए खास बात ये थी कि अब तक मैंने हमेशा अच्छे और प्यारे किरदार किए हैं, जिसमें लोग अंत में सहानुभूति दिखाते हैं।

दोस्तीव की दिलचस्प कहानी - पावर ऑफ पाँच!

'पावर ऑफ पाँच' दोस्तीह की एक दिलचस्पे कहानी दिखाई जायेगी, जिसमें रहस्योंर, गहरे राज और बेवफाई की परतें खुलेंगी। शो का निर्माण एकता आर कपूर ने किया है और इसमें इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा, आदित्य राज अरोड़ा, जयवीर जुनेजा हैं। एकता ने बताया, ''ऐसे कंटेन्टफ में यकीन रखती हूं, जो हर उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों को पसंद आये। यह खुद की खोज करने और पूरे जोरशोर से वापसी करने की एक दमदार कहानी है। इसमें दोस्तु और प्या र जैसे विषयों को संजोया गया है। इसे बनाने का अनुभव बेहतरीन रहा। मौलिक क्षमताओं को गहन मानवीय जुड़ाव से मिलाने का कॉन्सेप्टो पूरी दुनिया को नई ताजगी देने के लिये प्रासंगिक तथा अनूठा लगता है।''

रोमांस और जुनून की कहानी है फ्रॉम योर हमसफ़र

प्यार की मोहक सिम्फनी में डूब जाएँ, क्योंकि टिप्स म्यूजिक और दूरदर्शी कुमार तौरानी अपनी नवीनतम पेशकश, फ्रॉम योर हमसफ़र का अनावरण करते हैं - एक हिंदी लघु फ़िल्म जो रोमांस और जुनून की एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली कहानी बुनती है।करिश्माई मृणाल दत्त और अलौकिक एली अवराम अभिनीत, यह लघु फ़िल्म मानवीय भावनाओं के दिल में एक प्रेरक यात्रा होने का वादा करती है। करण दर्रा के कुशल निर्देशन में, फ्रॉम योर हमसफ़र आत्मा को झकझोर देने वाली धुनों और मार्मिक कहानी के बीच एक आदर्श तालमेल बिठाती है, जो एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव बनाती है।

तमन्ना से आगे निकली उर्वशी

उर्वशी रौतेला ने नए साल के कॉन्सर्ट में स्त्री 2 के आज की रात गाने पर प्रस्तुति दी और वह वास्तव में आग लगाने में कामयाब रहीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनकी लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू को देखते हुए, उन्होंने वास्तव में प्रदर्शन के लिए 7 करोड़ रुपये लिए, जो कि तमन्ना भाटिया द्वारा फिल्म के लिए गीत का प्रदर्शन करते समय लिए गए शुल्क से बहुत अधिक है। यह वास्तव में उद्योग में उर्वशी रौतेला की कमान और मूल्य को स्थापित करता है और यही कारण है कि, लोग उन्हें उस मूल्य के लिए उनके बहुत योग्य विज्ञापनों से पुरस्कृत करने को तैयार हैं जो वह मेज पर लाती हैं।

तेनाली रामा के भूत ने हैरान कर दिया

तेनाली रामा में बुद्धि के गुरु तेनाली रामा (कृष्ण भारद्वाज) के साहसिक कारनामों को दिखाया गया है। राजा कृष्णदेव राय के सेनापति तिम्मारासु (अमित पचोरी) को पता चलता है कि तेनाली रामा विजयनगर लौट आया है, लेकिन वह उसे छिपे रहने की चेतावनी देता है, क्योंकि महामंत्री के रूप में उसका कर्तव्य उसे राजा को सूचित करने के लिए बाध्य करता है। हालांकि, एक वफादार दोस्त के रूप में वह तेनाली को बिना पकड़े रहने का मौका देता है। इस बीच तेनाली चतुराई से तथाचार्य (पंकज बेरी) के घर में छिपने का फैसला करता है, क्योंकि उसे पता है कि किसी को भी यह संदेह नहीं होगा कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी के घर में शरण लेगा। तेनाली रामा की भूमिका निभा रहे कृष्ण भारद्वाज ने कहा, तेनाली कर्तव्य और दृढ़ संकल्प की भावना के साथ विजयनगर वापस आ गया है और उसका ध्यान राज्य को आसन्न खतरे से बचाने पर है। वह विजयनगर के प्रति अपनी अटूट निष्ठा से प्रेरित है और रडार से दूर रहते हुए चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी बुद्धि और ज्ञान का उपयोग करता है।

फिल्म इंडस्ट्री में चलती है चमचागिरी

अभिनेत्री रोजलिन खान भारतीय मनोरंजन उद्योग में सबसे अविश्वसनीय, निडर और साहसी व्यक्तित्वों में से एक हैं। उसके पास एक कुदाल को कुदाल कहने की हिम्मत है और इसलिए, वह अपने दिल की बात कहने के लिए जानी जाती है। अभिनेत्री ने टीवी अभिनेत्री अलीशा परवीन के लिए दृढ़ रुख अपनाया, जिन्हें टीवी शो अनुपमा से हटा दिया गया था। अभिनेत्री कहती हैं कि फिल्म उद्योग या टीवी उद्योग, दोनों पर शीर्ष अभिनेताओं, निर्देशकों और निर्माताओं का शासन है। यदि आप चमचागिरी करते हैं, तो आप वहां हैं या आपको तुरंत बदल दिया जाता है और दूसरों को भी सूचित किया जाता है ताकि आपको काम न दिया जाए

पांच गानों पर खर्च किए 75 करोड़ रुपये

राम चरण की आने वाली फिल्म गेम चेंजर निर्माताओं ने गानों पर लगभग 75 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जरगंडी गाने को 70 फीट ऊंचे पहाड़ी-गांव के सेट पर 13 दिनों से ज्यादा समय तक शूट किया गया। 8 दिनों तक लगभग 600 डांसर्स के साथ शूट किए गए इस गाने के डांस मूव्स को प्रभु देवा ने कोरियोग्राफ किया। रा मचा मचा, गणेश आचार्य द्वारा कोरियोग्राफ की गई फिल्म में राम चरण का एक परिचय गीत है। यह गीत भारतीय नृत्य रूपों और लोकगीत कला को समर्पित है और इसमें अभिनेता के साथ 1000 से अधिक लोक नर्तक शामिल हैं। नाना हयाना पहला भारतीय गाना है जिसे इन्फ्रारेड कैमरे पर शूट किया गया है, जिसमें विभिन्न रंगों को सामने लाने की क्षमता है, जो इसे एक स्वप्निल सीक्वेंस बनाता है। न्यूजीलैंड के खूबसूरत स्थानों पर राम चरण और कियारा आडवाणी पर फिल्माया गया यह गाना पश्चिमी और कर्नाटक ध्वनियों का मिश्रण है। ढोप गाना एक टेक्नो डांस नंबर है। इसे कोविड की दूसरी लहर के दौरान शूट किया गया था। इस गाने के लिए रूस से विशेष विमान से करीब 100 पेशेवर नर्तकियों को लाया गया था। इस गाने को ऋस्रष्ट में तीन अलग-अलग भव्य सेटों में 8 दिनों से ज्यादा समय तक भव्यता से शूट किया गया। 5वां गाना सरप्राइज पैकेज है । इस गाने को गोदावरी की पृष्ठभूमि में शूट किया गया ।

पेंटिंग एक्सहिबिशन रवीना ने चार चांद लगाए

पेंटर विशाल सबले की पेंटिंग के विमोचन में एक्ट्रेस रवीना टंडन ने चार चांद लगा दिए । तेज बुखार के बावजूद कमिटमेंट पूरा करना कोई रवीना से पूछे। जहाँ वीमेन एम्पावरमेंट की बात होती वहां रवीना की मौजूदगी लाजमी है । रवीना कहती हैं कि उनकी बेटी राशा काफी अच्छी चित्रकारी कर लेती हैं। एक वरिस्ठ फोटोग्राफर की बात को अनदेखा होते हुए देख मीडिया से विनती की कि अपने सीनियर की बात सुने। विशाल सबली ने अपनी कलात्मकता को गतिशील भावना की खोज के लिए समर्पित किया है - एक ऐसी शक्ति जो सुंदरता, लचीलापन और सशक्तिकरण का प्रतीक है। उनका नवीनतम संग्रह दुर्गा, लक्ष्मी, त्रिपुरसुंदरी, सीता और पार्वती जैसी देवी प्रतिमाओं के साथ-साथ योगिनियों और यक्षिणियों जैसे रहस्यमय प्रतीकों से प्रेरणा लेता है।

शो पॉकेट में आसमान का दिलचस्प प्रोमो

नया और दिलचस्प शो पॉकेट में आसमान आ रहा है, जिसमें अभिका मलाकार और फर्मान हैदर लीड रोल में नजर आएंगे। इस शो में अभिका रुद्राणी (रानी) का किरदार निभाएंगी और फर्मान दिग्विजय के रोल में दिखेंगे। पॉकेट में आसमान के मेकर्स ने शो का पहला दिलचस्प प्रोमो रिलीज किया है, जिसने पहले ही दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। प्रोमो में रुद्राणी (रानी) और दिग्विजय की झलक देखने को मिलती है।पॉकेट में आसमान की कहानी रानी की है, जो एक जवान और प्रेग्नेंट लड़की है। वह डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा करना चाहती है, साथ ही अपनी निजी ज़िम्मेदारियों को भी संभालती है।

प्यार के हर रंग को सेलिब्रेट करती श्लवयापाश

अद्वैत चंदन द्वारा डायरेक्टेड फिल्म श्लवयापाश् जुनैद खान और खुशी कपूर की पहली थिएटर रिलीज है। पहली बार जुनैद रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगे। श्लवयापाश् एक हल्की-फुल्की और मजेदार कहानी है। जोश भरे बीट्स और ऐसे लिरिक्स हैं जो युवाओं और ळमर्द. को खूब पसंद आएंगे।

श्लवयापाश् मॉडर्न रोमांस की दुनिया में बसी एक दिल छू लेने वाली कहानी हैए जो शानदार परफॉर्मेंसए जोशीले म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स से सजी हुई है।

हनी सिंह नेटफ्लिक्स चार्ट में टॉप पर

मोजेज सिंह द्वारा निर्देशित यो यो हनी सिंह फेमस ने नेटफ्लिक्स की ग्लोबल टॉप 10 (नॉन-इंग्लिश) श्रेणी में खुद को मजबूती से स्थापित किया है। यो यो हनी सिंह के उतार-चढ़ाव भरे जीवन पर प्रकाश डालती है, जो संगीत जगत की महान हस्ती हैं। उनके जबरदस्त स्टारडम तक पहुंचने से लेकर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ और फिर उनकी वापसी, इस फिल्म में एक ऐसे व्यक्ति के जीवन की एक अनफिल्टर्ड झलक पेश करती है जिसने यह सब देखा है। उनकी धुनों पर नाचने वाले प्रशंसकों को अब उनके जूते में चलने का मौका मिलता है, यह समझते हुए कि उनके सफर को आकार देने में दर्द, जुनून और संघर्ष का कितना योगदान है। सिंह की साहसिक रचनात्मक पसंद और हनी सिंह की सच्ची ईमानदारी यो यो हनी सिंह फेमस को एक ऐसी डॉक्युमेंट्री बनाते हैं जो इस समय के सबसे भीड़-भारे वाले कंटेंट में एक अलग स्थान रखती है। यह सिर्फ एक डॉक्युमेंट्री नहीं है–यह एक सांस्कृतिक घटना है जो आज के युग में प्रसिद्ध होने का अर्थ फिर से परिभाषित करती है।

जिलाध्यक्ष की दौड़ में पूर्व सांसद-पूर्व विधायक भी

दिग्गजों की खींचतान से गड़बड़ाया गणित

इन्दौर (नप्र)। मप्र भाजपा के संगठन चुनाव में इस बार सबसे अधिक खींचतान देखी जा रही है। खासकर जिलाध्यक्षों के चुनाव को लेकर। आलम यह है कि इस बार जिलाध्यक्ष के लिए जहां युवा जोर लगा रहे हैं, वहीं 'मठाधीश' यानी पूर्व सांसद, विधायक और मेयर भी लॉबिंग कर रहे हैं। ऐसे में प्रदेश संगठन भी असमंजस में है। इसलिए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति का मामला केंद्र के पाले में डाल दिया गया है।

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव में जिला अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस बार भाजपा ने महिलाओं को भी जिला अध्यक्ष बनाने के लिए नाम मांगे है। जिसमें जिला प्रभारी एवं पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में इसके लिए एक-एक महिला नेत्री का नाम भी अपनी सूची में दिया है। इस सबसे अलग हटकर इस बार कई पूर्व सांसद और पूर्व विधायक भी जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल है। इसके अलावा पूर्व मेयर और नगरपालिका अध्यक्ष भी दावेदारी ठोक रहे हैं। जिलाध्यक्ष बनने के लिए विधायक रहे कई नेता भी ताल ठोक रहे हैं। सागर से पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह भी जिलाध्यक्ष बनने के लिए दावा ठोक रहे है। वे पूर्व मंत्री और विधायक भूपेन्द्र सिंह की पसंद बताए जाते हैं। रायशुमारी में उनका भी नाम आया है। इसके अलावा टीकमगढ़ से पूर्व विधायक राकेश गिरी जिलाध्यक्ष बनने की कतार में हैं। वे कई नेताओं से मिलकर अपना पक्ष रख चुके हैं। वहीं निवाड़ी से पूर्व विधायक शिशुपाल सिंह भी जिलाध्यक्ष की दावेदारी कर रहे हैं। रीवा के पूर्व मेयर वीरेन्द्र गुप्ता भी जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में है। वही सिवनी से युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार भी दावेदार है। छतरपुर नगरपालिका की अध्यक्ष रही अर्चना सिंह ने भी जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी जताई है। इसके अलावा कुछ वर्तमान और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भी जिलाध्यक्ष बनने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं।

एक दर्जन जिलों में अधिक खींचतान

जिलाध्यक्षों को लेकर ज्यादातर जिलों के नामों पर सहमति बन चुकी है। जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत एक दर्जन जिलों के अध्यक्षों के नाम पर बड़े नेताओं के दखल की वजह से सहमति नहीं बन पाई है। इस बार धार और सागर जिले को दो भागों में बांटकर दो-दो जिलाध्यक्ष

बनाए जाएंगे। नामों के पैनल की सूची दिल्ली पहुंच चुकी है। वहां से हरी झंडी मिलते ही आज या कल में भाजपा जिलाध्यक्षों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के लिए कई वरिष्ठ नेता भी जोर लगा रहे हैं। इनमें पूर्व संभागीय संगठन मंत्री, पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नेता, मौजूदा प्रदेश पदाधिकारी भी जिलाध्यक्ष के लिए सक्रिय हैं। भाजपा मीडिया विभाग के प्रदेश पदाधिकारी भी जिलाध्यक्ष के लिए दावेदारी कर रहे हैं। बड़े नेता अपने समर्थकों को जिलाध्यक्ष बनवाने या फिर दूसरा कार्यकाल दिलाने के लिए भी सक्रिय हैं। इस बार भाजपा जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में वरिष्ठ नेताओं का दखल सामने आएगा। इस वजह से कुछ जिलों में विवाद की स्थिति भी बन सकती है। भाजपा की प्रदेश चुनाव समिति के पदाधिकारी रजनीश अग्रवाल ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। एक-दो दिन के भीतर कुछ जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा हो सकती है। इधर प्रदेश भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को भी नामों के पैनल पर चर्चा हुई। लगभग सभी जिलों से दावेदार प्रदेश कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा समेत संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से मुलाकात की। प्रदेश महामंत्री ने पार्टी कार्यालय परिसर में ही सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से खुली चर्चा की।

कुछ बड़े जिले होंगे होल्ड

पार्टी के राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश इस सूची के लेकर केन्द्रीय नेताओं से चर्चा करेंगे। माना जा रहा है कि प्रदेश के नेताओं ने ही कल हुई बैठक में अधिकांश जिलों के जिलाध्यक्षों के नाम फाइनल कर दिए है। अब दिल्ली में केवल औपचारिकता शेष है। माना जा रहा है कि बड़े जिलों में नेताओं में समन्वय न बन पाने की स्थिति में कुछ जिलों के अध्यक्ष का नाम होल्ड पर रखा जाएगा। हालांकि संगठन शनिवार तक चालीस से अधिक जिलों के जिलाध्यक्षों के नाम का ऐलान कर सकता है।

महिलाओं ने भी ठोकी दावेदारी

भाजपा नेतृत्व ने इस बार संगठन चुनाव में मंडल से लेकर जिलाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष समेत अन्य पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी देने का निर्णय किया है। सूत्रों की माने तो करीब चालीस से अधिक जिलों से महिलाओं के नाम संगठन के पास भेजे गए हैं। इन्हें रायशुमारी के बाद पैनल में शामिल किया गया है। जिन महिला नेत्रियों के नामों की चर्चा है उनमें इंदौर से दिव्या गुप्ता, भोपाल से वंदना जाचक का नाम शामिल है। वंदना अभी महिला मोचा की जिलाध्यक्ष है। वही बैतूल से रश्मि साहू, दतिया से मीनाक्षी कटारे, रजनी रावत, मुरैना से मधु दंडोतिया, राजगढ़ से नीलम सक्सेना, बड़वानी से अंजना पटेल, धार से कुसुम सोलंकी, देवास से माया पटेल, मंदसौर से प्रियंका गोस्वामी, नीमच से हेमलता धाकड़, छिंदवाड़ा से गरिमा दामोदर, नरसिंहपुर से बीना ओसवाल, सिवनी से नीता पटेरिया, मंडला से शशि पटेल, शहडोल से अनिता चापरा, सीधी से पूनम सोनी, रीवा से विभा पटेल, पन्ना से मीना राजे, दमोह से कविता राय, टीकमगढ़ से सरोज राजपूत, श्योपुर से सरोज तोमर, शिवपुरी से सीमा शिवहरे के नाम दौड़ में शामिल है।

इन्दौर। आयकर विभाग की हालिया छापेमारी के बाद रियल एस्टेट कारोबारी राजेश शर्मा की अटैच की गई संपत्तियों के पीछे छिपे निवेशकों और रसूखदारों की जांच की मांग तेज हो गई है। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने इस मामले की गंभीरता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। दीपक जोशी ने पीएम मोदी से अनुरोध किया है कि राजेश शर्मा की करोड़ों की बेनामी संपत्ति के पीछे किन-किन प्रभावशाली लोगों का धन निवेशित है, इसकी जांच सीबीआई से कराई जाए।

उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि इन वाइट कॉलर व्यक्तियों का पर्दाफाश हो और जनता के बीच सख्त संदेश जाए। गौरतलब है कि हाल ही में आयकर विभाग ने भोपाल में कई स्थानों पर छापेमारी की थी, जिसमें रियल एस्टेट कारोबारी राजेश शर्मा की संपत्तियों से करोड़ों की बेनामी संपत्तियों का खुलासा हुआ। शर्मा को पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस का करीबी माना जाता है। दीपक जोशी ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में कई रसूखदार और बड़े अधिकारी शामिल हो सकते हैं, जो अपने पद का दुरुपयोग कर जनता के धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच के बिना सच्चाई सामने नहीं आ सकती। जोशी ने कहा कि इस तरह के मामलों से जनता के बीच गलत संदेश जाता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले पर जल्द कार्रवाई करेंगे और जांच की सिफारिश करेंगे।

पूर्व सीएस इकबाल सिंह बैंस पर सवाल

जोशी ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के निवास तक बनाई गई डबल लाइन पक्की कंक्रीट सड़क के निर्माण को लेकर भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि यह सड़क किन सरकारी नियमों और किस बजट के तहत बनाई गई है। इस पर भी पारदर्शिता के लिए उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है।

परिवहन मंत्री के स्वयंभू ओएसडी बन गए तिवारी

सरकारी आदेश पर भारी मंत्री के निज सचिव

इन्दौर। परिवहन नाकों के बंद होने के बाद भी अवैध नाके बनाकर अवैध वसूली और पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा के यहां लोकायुक्त के छापे के बाद इनदिनों सबके निशाने पर परिवहन विभाग है। वैसे परिवहन विभाग का विवादों से पुराना नाता है।

लेकिन ताजा विवाद परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह की निजी स्थापना में पदस्थ निज सचिव वीरेन्द्र तिवारी के मामले को लेकर है। दरअसल, सरकार ने उन्हें परिवहन मंत्री का निज सचिव नियुक्त किया है, लेकिन तिवारी स्वयं उनके ओएसडी (विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी)बन गए हैं। मंत्रालयीन सूत्रों का कहना है कि वर्तमान में वीरेन्द्र तिवारी परिवहन विभाग में अपनी मनमानी के कारण चर्चा में हैं। तिवारी विभाग में अधिकारियों पर भारी पड़ रहे हैं। उनकी मनमानी के कारण विभागीय अफसर परेशान हैं। सूत्रों का कहना है कि उनके प्रभाव के कारण विभाग में अवैध गतिविधियां तेज हो गई हैं। सवाल उठ रहा है कि आखिरकार तिवारी को किसका संरक्षण मिला हुआ है।

आदेश और नियम दरकिनार

जहां एक तरफ पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा के यहां लोकायुक्त के छापों की चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ परिवहन मंत्री की निजी स्थापना में पदस्थ निज सचिव की इन दिनों मंत्रालय में जोरों पर चर्चा है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 12 अगस्त 2024 को जारी आदेश में नगरीय प्रशासन विभाग के सहायक संचालक वीरेन्द्र तिवारी को मंत्री की निजी पदस्थापना में निज सचिव पदस्थ किया था। जबकि मंत्री कार्यालय से शासन एवं अन्य सरकारी कार्यालयों के लिए जारी किए जा रहे पत्रों में वीरेन्द्र तिवारी खुद को विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी बता रहे हैं। खास बात यह है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी किए जाने के बाद तिवारी ने ओएसडी से खुद का नाम हटाने के साथ-साथ हस्ताक्षर भी बदल दिए हैं। सामान्यतः मंत्रियों के स्टाफ में ओएसडी की पदस्थापना विभाग अपने स्तर पर करते हैं। मंत्री उदय प्रताप सिंह के पास शिक्षा और परिवहन विभाग है। बताया गया कि मंत्री स्टाफ में शासन स्तर से पदस्थापना में देरी की वजह से तिवारी की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर राज्य ओपन बोर्ड में ली गई। वहां से उन्हें मंत्री स्टाफ में विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी पदस्थ किया गया। हालांकि इसका कोई आदेश सामने नहीं आया है। न ही सामान्य प्रशासन विभाग को इसकी सूचना थी। यही वजह है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने पिछले साल 12 अगस्त को जारी आदेश में तिवारी को मंत्री स्थापना में बतौर निज सचिव पदस्थ कर दिया।

निज सचिव के नियुक्ति आदेश के बाद ओएसडी से नाम हटाया

निज सचिव के पद पर नियुक्ति का आदेश जारी होने से पहले वीरेन्द्र तिवारी मंत्री कार्यालय से जो नोटशीट या पत्र भेजते थे, उसमें विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी के साथ-साथ वीरेन्द्र तिवारी का नाम भी होता था। साथ में संपूर्ण हस्ताक्षर भी होते थे। निज सचिव का आदेश जारी होने के बाद तिवारी ने सिर्फ विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी के नाम से पत्र भेजना शुरू कर दिया। अपना नाम हटा लिया और हस्ताक्षर भी बदल लिए। उल्लेखनीय है कि स्कूल एवं परिवहन मंत्री के स्टाफ में पिछले महीने शिक्षा विभाग ने आलोक खरे को बतौर ओएसडी पदस्थ किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर सचिव अक्षय कुमार ने 12 अगस्त को परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री की निजी स्थापना में वीरेन्द्र तिवारी को निज सचिव पदस्थ किया था।

विवादों में उलझी कांग्रेस प्रवक्ताओं की सूची पहले किया जारी, फिर कर दिया निरस्त

इंदौर। कांग्रेस सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने के लिए दम तो भर रही है, लेकिन आपसी विवादों के कारण पार्टी पटरी पर नहीं आ पा रही है। शुक्रवार को सामने आया जब मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग का पुनर्गठन करते हुए प्रदेश प्रवक्ता एवं पेनलिस्ट की सूची जारी की। सूची लोगों के पास पहुंची ही थी कि थोड़ी देर बाद उसे निरस्त कर दिया गया। गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के नेतृत्व में मीडिया में मुखरता के साथ अपना पक्ष रखने के लिए मप्र कांग्रेस कमेटी में प्रदेश प्रवक्ता एवं मीडिया पेनलिस्ट नियुक्त किए, लेकिन थोड़ी

देर बाद ही सूची निरस्त करने की सूचना प्रसारित कर दी गई। सूची में इनका था नाम जो सूची जारी की गई थी उसमें भूपेन्द्र गुप्ता, अभिनव बरोलिया, रवि सक्सेना, स्वदेश शर्मा, अजीत सिंह भदौरिया, अब्बास हफीज, अवनीश बुंदेला, राम पाण्डेय, संतोष सिंह गौतम, जितेन्द्र मिश्रा, आनन्द जाट, संतोष सिंह परिहार, विवेक त्रिपाठी, रवि वर्मा, मिथुन अहिरवार, सुश्री अपराजिता पाण्डेय, हर्ष जैन, श्रीमती हिमानी सिंह, सुश्री स्पर्श चौधरी, हिदायत उल्ला खान गुड्डू राजा, अंबिका शर्मा, संदीप सबलोक, अमित चौरसिया, रीतेश त्रिपाठी, फिरोज सिद्दीकी, सुनील मिश्रा, सिद्धार्थ राजावत, विवयान विक्की खोंगल, धर्मेन्द्र शर्मा, शरीफ खान, सुश्री रामसिया भारती, अमित तावड़े, गुंजन शुक्ला, आनंद जैन कासलीवाल, शहरयार खान, राहुल राज, कुंदन पंजाबी, सिद्धार्थ माहोलकर एवं डॉ. रमेश काकोडिया को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। वहीं श्रीमती झूमा सोलंकी, श्रीमती प्रतिभा विक्टर, सुश्री नेहा लिम्बोदिया, सुश्री ज्योति पटेल, सुश्री नेहा पालीवाल, प्रदीप अहिरवार, तनय अग्रवाल एवं सीताशरण सूर्यवंषी को मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग में पेनलिस्ट नियुक्त किया गया है। विक्रम चौधरी को जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ताओं को प्रशिक्षण देने हेतु प्रशिक्षण प्रभारी नियुक्त किया गया था।

कटाक्ष

वादों की बौछारें

कैसी ये सरकारें हैं।
वादों की बौछारें हैं।

पीठ से सटे पेटों को -
रोटी की दरकारें हैं।

सभी सियासी हल्कों में -
नागों की फुफकारें हैं।

सिर्फ़ चुनावी मौसम में -
लाड़ - प्यार पुचकारें हैं।

कहां मिटा सूखा इनसे -
ये तो सिर्फ फुहारें हैं।

ये बरसने वाले नहीं -
ये बादल बंजारे हैं।

सत्य से है नाता नहीं -
ये झूठों के मारे हैं।

अशोक आनन, मक्सी

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com